करेंट अफेयर्स

राजस्थान

(संग्रह)

सितंबर

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

राजस्थान 4

- NARI 2025 में जयपुर की महिला सुरक्षा रैंकिंग 4
- दुर्लभ कैराकल शावक 4
- अवैध रेत खनन 6
- उदयपुर वेटलैंड मान्यता प्राप्त शहरों में शामिल 7
- सीकर ज़िले में यूरेनियम खनन परियोजना 9
- राजस्थान की मिलेट्स आउटलेट पहल 10
- बांसवाड़ा में परमाणु ऊर्जा संयंत्र 11
- राजेश्वर सिंह राज्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त 12
- राजस्थान की पहली ट्रांसजेंडर वकील 13
- रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में फिशिंग कैट 15
- भारत की सबसे बड़ी बैटरी भंडारण परियोजना 16
- राजस्थान में बाल विवाह की दर में कमी 17

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स 19

- उर्जित पटेल IMF में कार्यकारी निदेशक नियुक्त 19
- डायमंड लीग 2025 20
- रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2025 20
- युद्ध अभ्यास 2025 22
- आदि वाणी 22
- NCERT का 65वाँ स्थापना दिवस 23
- इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 8वाँ स्थापना दिवस 24
- भारती पहल 25

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- वैश्विक शांति सूचकांक (GPI) 26
- आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय 27
- यूएस ओपन 2025 29
- अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025 30
- ब्लड मून 31
- विश्व ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस 33
- ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 33
- IIM अहमदाबाद ने पहला विदेशी कैंपस खोला 34
- विनोबा भावे जयंती 35
- ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन 37
- विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप 2025 39
- महिला हॉकी एशिया कप 2025 40
- राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन– रबी अभियान 2025 41
- 31वाँ विश्व ओज़ोन दिवस 42
- वैशाली रमेशबाबू ने FIDE महिला ग्रैंड स्विस जीता 43
- स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण पदक 45
- विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 46
- सरदार वल्लभभाई पटेल का AI संचालित होलोबॉक्स 46
- भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026 48
- मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार 49
- अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2025 50
- विश्व खाद्य भारत 2025 51
- विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 52
- छठा नदी उत्सव 53
- भगत सिंह की जयंती 54
- भारत ने एशिया कप जीता 56
- शिरीष चंद्र मुर्मू नियुक्त हुए RBI के डिप्टी गवर्नर 57

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राजस्थान

NARI 2025 में जयपुर की महिला सुरक्षा रैंकिंग

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय वार्षिक रिपोर्ट एवं महिला सुरक्षा सूचकांक (NARI) 2025 में **जयपुर** को **सबसे कम प्रदर्शन करने वाले शहरों** में स्थान दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- **NARI सूचकांक के बारे में:**
  - **पीवैल्यू एनालिटिक्स** द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में भारत के **31 प्रमुख शहरों** में महिलाओं की **समग्र सुरक्षा भावना**, **उत्पीड़न के अनुभव** तथा **दिन और रात के बीच सुरक्षा के अंतर** पर सर्वेक्षण किया गया।
    - यह रिपोर्ट राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) की अध्यक्ष **विजया रहाटकर** द्वारा **दिल्ली** में जारी की गई।
- **जयपुर का प्रदर्शन:**
  - जयपुर को **59.1% अंक** प्राप्त हुए, जो कि राष्ट्रीय औसत **64.6%** से कम है।
  - 31 शहरों में जयपुर **25वें स्थान** पर रहा, जिससे यह **पटना, फरीदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, श्रीनगर और राँची** जैसे शहरों के साथ सबसे निचले समूह में शामिल हो गया।
  - जयपुर की 8% महिलाओं ने बताया कि उन्होंने पिछले वर्ष उत्पीड़न का सामना किया, जो सर्वेक्षण में शामिल सभी शहरों के औसत 7% से अधिक है।
  - **31%** उत्तरदाताओं ने **दिन के समय शहर को अत्यधिक सुरक्षित माना** जबकि मात्र 10% ने रात के समय को अत्यधिक सुरक्षित माना।
  - 17% ने जयपुर के *बुनियादी ढाँचे* को "अत्यधिक सुरक्षित" बताया, जबकि **11%** ने इसे "सुरक्षित" माना।
  - **24% उत्तरदाताओं ने प्रशासन को "अत्यधिक सुरक्षित"** माना, जबकि 12% ने प्रशासन को अत्यधिक असुरक्षित माना।
- **शीर्ष प्रदर्शनकर्त्ता:**
  - **कोहिमा, विशाखापत्तनम और भुवनेश्वर** ने महिला सुरक्षा के मामले में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया तथा इनका प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से कहीं बेहतर रहा।

दुर्लभ कैराकल शावक

चर्चा में क्यों?

विशेषज्ञों ने **जैसलमेर के मरुस्थल** में दुर्लभ कैराकल (Caracal) शावक की उपस्थिति की पुष्टि की है, जो राजस्थान के लिये एक महत्त्वपूर्ण वन्यजीव खोज है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इस खोज के बाद प्रशासन ने जैसलमेर के सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या सर्वेक्षण प्रारंभ कर दिया है तथा गश्त को और तेज़ कर दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- **कैराकल के बारे में:**

  - **कैराकल** एक मध्यम आकार की जंगली बिल्ली है, जो भारत सहित अफ्रीका, मध्य-पूर्व और दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में पाई जाती है।
  - भारत में इसकी अनुमानित जनसंख्या लगभग 50 है, जो मुख्यत: राजस्थान और गुजरात में पाई जाती है।
  - यह स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में एक शिकारी के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है और अपनी **विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं** तथा उल्लेखनीय **शिकार क्षमताओं** के लिये जानी जाती है।
- **आवास:**
  - कैराकल **सवाना, अर्द्ध-मरुस्थल, शुष्क वन क्षेत्र, चट्टानी पहाड़ियाँ, शुष्क पर्वतीय मैदानों तथा शुष्क पर्वतीय क्षेत्रों** के लिये अनुकूल है।
- **वर्गीकरण और संबंध:**
  - कैराकल वास्तविक लिंक्स की तुलना में **अफ्रीकी गोल्डन बिल्ली और सर्वल से** अधिक निकटता से संबंधित है, हालांकि इसे प्राय: **"रेगिस्तानी लिंक्स"** कहा जाता है।
  - भारत में इसे **'स्याहगोश'** कहा जाता है, जो फारसी शब्द से व्युत्पन्न है, जिसका अर्थ है **'काले कान'**।
  - इसका वैज्ञानिक नाम **कैराकल कैराकल श्मिट्ज़ी** है।
- **शारीरिक विशेषताएँ:**
  - कैराकल का शरीर पतला और पैर लंबे होते हैं तथा यह अफ्रीका की छोटी बिल्लियों में सबसे बड़ी होती है।
  - वयस्कों का **वज़न 8-18 किलोग्राम** तक होता है और इनकी लंबाई लगभग एक मीटर तक पहुँच सकती है। नर सामान्यत: मादाओं से बड़े होते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इसका फर छोटा और घना होता है, जिसका **रंग हल्के भूरे से लाल-भूरे** तक होता है, जबकि नीचे का भाग हल्का रहता है।
- चेहरे पर **विशिष्ट रेखाएँ** और आँखों के चारों ओर **सफेद निशान** इसकी पहचान हैं।

- **संरक्षण की स्थिति:**
  - IUCN रेड लिस्ट: **कम चिंताजनक**
  - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: **अनुसूची 1**
- **खतरे:**
  - आवास का क्षरण, शिकार-आधार में कमी तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष।

अवैध रेत खनन

चर्चा में क्यों?

सर्वोच्च न्यायालय ने **केंद्र और राजस्थान सरकार को नोटिस जारी कर** राज्य में व्यापक स्तर पर अवैध नदी रेत खनन तथा परिवहन संबंधी आरोपों पर **स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने** का निर्देश दिया।

मुख्य बिंदु

- **रेत खनन के बारे में:**
  - रेत खनन का अर्थ **प्राकृतिक बालू और उसके स्रोतों** (खनिज युक्त बालू तथा एग्रीगेट्स सहित) को **प्राकृतिक पर्यावरण** (स्थलीय, नदीय, तटीय या समुद्री) से निकालने की प्रक्रिया से है, जिसका उपयोग **खनिज, धातु, क्रश्ड स्टोन, रेत तथा बजरी प्राप्त करने** में किया जाता है।
  - **अवैध नदी रेत खनन** से तात्पर्य **नदी तल, तटों और बाढ़क्षेत्रों** से अनधिकृत एवं अनियमित निष्कर्षण से है।
- **रेत का स्रोत:**
  - भारत में रेत के प्राथमिक स्रोतों में नदी बाढ़ के मैदान, **तटीय रेत**, **पैलियो-चैनल रेत** तथा **कृषि क्षेत्रों से प्राप्त रेत** शामिल हैं।
- **अवैध रेत खनन में योगदान देने वाले कारक:**
  - **विनियमन का अभाव** और **कमज़ोर प्रवर्तन** अनियंत्रित अवैध रेत खनन को बढ़ावा देता है।
  - शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि के कारण निर्माण उद्योग की उच्च माँग से नदी-तल तथा तटीय क्षेत्रों पर दबाव बढ़ रहा है।
  - भ्रष्टाचार और **रेत माफिया का प्रभाव**, अधिकारियों की मिलीभगत के साथ, अवैध खनन गतिविधियों को बनाए रखता है।
  - **स्थायी विकल्पों का अभाव:** निर्मित रेत (एम-रेत) का सीमित उपयोग तथा पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों के अपर्याप्त प्रचार से नदी-तल की रेत पर निर्भरता बढ़ जाती है।
- **रेत खनन के प्रभाव:**
  - **कटाव और आवास विघटन:** अनियमित रेत खनन से **नदी तल बदल जाता** है, जिससे कटाव बढ़ जाता है, चैनल आकारिकी में बदलाव होता है तथा **जलीय आवासों में व्यवधान** होता है।
  - **बाढ़ और अवसादन:** रेत की कमी से बाढ़ का जोखिम बढ़ता है, अवसाद का भार बढ़ता है तथा **प्रवाह-पैटर्न में परिवर्तन** होता है, जिससे जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को हानि पहुँचती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **भूजल ह्रास: गहरे गड्ढों के निर्माण से भूजल स्तर नीचे चला जाता है**, जिससे पेयजल कुओं पर प्रभाव पड़ता है और जल-संकट की स्थिति उत्पन्न होती है।
- **जैवविविधता की हानि:** इससे जलीय और तटीय प्रजातियों की क्षति होती है तथा इसका प्रभाव **मैंग्रोव वनों** तक व्याप्त हो जाता है।

- **रेत खनन से संबंधित विनियम:**
  - **खनिज एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 (MMDR Act, 1957):** इस अधिनियम के अंतर्गत रेत को लघु खनिज (Minor Mineral) के रूप में वर्गीकृत किया गया है तथा इसकी प्रशासनिक ज़िम्मेदारी राज्य सरकारों को सौंपी गई है।
  - **सस्टेनेबल सैंड माइनिंग मैनेजमेंट (SSMG) दिशा-निर्देश, 2016:** पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने वर्ष 2016 में इन दिशा-निर्देशों को जारी किया, जिनका उद्देश्य **वैज्ञानिक एवं पर्यावरण-अनुकूल रेत खनन पद्धतियों** को बढ़ावा देना है।
  - **पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA):** भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया है कि सभी रेत खनन गतिविधियों के लिये, यहाँ तक कि 5 हेक्टेयर से छोटे क्षेत्रों में भी, पूर्व अनुमोदन आवश्यक

उदयपुर वेटलैंड मान्यता प्राप्त शहरों में शामिल

चर्चा में क्यों ?

उदयपुर, **जिसे प्राय: 'झीलों का शहर' कहा जाता है, ने रामसर वेटलैंड सिटी मान्यता प्राप्त की।** यह सम्मान **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC)** द्वारा आयोजित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार तथा **वेटलैंड शहर मान्यता समारोह 2025** के दौरान प्रदान किया गया।

मुख्य बिंदु

आर्द्रभूमि संरक्षण में उदयपुर के प्रयास

- **परिचय:** उदयपुर शहर पाँच प्रमुख आर्द्रभूमियों- **पिछोला, फतेह सागर, रंग सागर, स्वरूप सागर और दूध तलई** से घिरा हुआ है।
- ये आर्द्रभूमियाँ शहर की **संस्कृति** और **पहचान** का अभिन्न हिस्सा हैं, शहर की सूक्ष्म जलवायु को बनाए रखने में सहायक हैं तथा चरम **जलवायु घटनाओं** से सुरक्षा प्रदान करती हैं।
- **मान्यता:** उदयपुर को यह सम्मान उसके उत्कृष्ट आर्द्रभूमि संरक्षण प्रयासों के लिये मिला है, जिससे वह **विश्व के उन मुख्य शहरों में शामिल हो गया है**, जिन्हें आर्द्रभूमि संरक्षण और प्रबंधन के प्रति अपने व्यापक दृष्टिकोण के लिये मान्यता प्राप्त है।
  - उदयपुर के प्रयासों में **झील और आर्द्रभूमि संरक्षण में सक्रिय सामुदायिक भागीदारी** के साथ-साथ **शहरी नियोजन में आर्द्रभूमि प्रबंधन का सफल एकीकरण** भी शामिल है।

वेटलैंड सिटी प्रमाणन (WCA)

- **परिचय:**
  - WCA एक स्वैच्छिक मान्यता प्रणाली है, जिसे रामसर कन्वेंशन द्वारा **कॉन्ट्रैक्टिंग पार्टियों (Conference of the Contracting Parties- COP) 12, 2015** के सम्मेलन के दौरान उन शहरों को मान्यता देने के लिये स्थापित किया गया था, जिन्होंने अपने शहरी आर्द्रभूमि की सुरक्षा हेतु असाधारण प्रयास किये हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह **पुरस्कार उन शहरी केंद्रों को दिया जाता है,** जो आर्द्रभूमि की सुरक्षा, जैवविविधता संरक्षण को बढ़ावा देने तथा स्थायी आजीविका को समर्थन देने में असाधारण प्रयास करते हैं।
  - इस योजना का उद्देश्य **शहरी और अर्द्ध-शहरी क्षेत्र के आर्द्रभूमि संरक्षण** तथा **इसके उपयोग को बढ़ावा** देना है, साथ ही स्थानीय आबादी के लिये स्थायी सामाजिक-आर्थिक लाभ अर्जित करना भी है।
- WCA 6 वर्षों के लिये मान्य होता है।

महत्त्व:

- यह शहरों को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के वेटलैंड्स जैसे मूल्यवान पारिस्थितिकी तंत्र के साथ सकारात्मक संबंध विकसित करने के लिये प्रोत्साहित करता है।
- इसका उद्देश्य **प्राकृतिक या मानव निर्मित आर्द्रभूमि को महत्त्व देने वाले शहरों को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता दिलाना है।**

रामसर अभिसमय (RAMSAR CONVENTION)

Drishti IAS

परिचय:

- इसे आर्द्रभूमियों पर अभिसमय के रूप में भी जाना जाता है।
- यह एक अंतर-सरकारी संधि है जिसे वर्ष 1971 में रामसर, ईरान में अपनाया गया।
- वर्ष 1975 में इसे लागू किया गया।
- ऐसी आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्त्व रखती हों।
- विश्व का सबसे बड़ा रामसर स्थल: पैंटानल, दक्षिण अमेरिका।

मोंट्रेक्स रिकॉर्ड:

- वर्ष 1990 में मोंट्रेक्स (स्विटजरलैंड) में इसे अपनाया गया।
- यह उन रामसर स्थलों की पहचान करता है जिनके संरक्षण हेतु राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है।

आर्द्रभूमियाँ:

- आर्द्रभूमि एक ऐसा स्थान है जहाँ भूमि मौसमी अथवा स्थायी रूप से जल (खारा या मीठा/ताजा अथवा इन दोनों के बीच की स्थिति) से ढकी होती है।
- यह नदियों, दलदल, मैंग्रोव, कीचड़ युक्त भूमि, तालाबों, जलमग्न स्थान, बिलबोंग (नदी की वह शाखा जो आगे चलकर समाप्त हो गई हो), लैगून, झीलों और बाढ़ के मैदानों सहित विभिन्न रूपों में हो सकती है।
- विश्व आर्द्रभूमि दिवस: 2 फरवरी

भारत और रामसर अभिसमय:

- भारत में रामसर अभिसमय वर्ष 1982 में लागू हुआ।
- रामसर स्थलों की कुल संख्या: 75
- चिल्का झील (ओडिशा), केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), हरिके झील (पंजाब), लोकटक झील (मणिपुर), वुलर झील (जम्मू और कश्मीर) आदि।
- भारत में संबंधित फ्रेमवर्क
  - आर्द्रभूमियों के संरक्षण तथा प्रबंधन हेतु पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत 'आद्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) अधिनियम, 2017' को अधिसूचित किया है।
  - ये नियम आर्द्रभूमियों के प्रबंधन को विकेंद्रीकृत करते हैं तथा राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण या केंद्रशासित प्रदेश आर्द्रभूमि प्राधिकरण के गठन का प्रावधान करते हैं।

प्रमुख तथ्य

- **भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थल:** सुंदरबन, पश्चिम बंगाल
- **भारत में सबसे छोटा रामसर स्थल:** वेम्बन्नूर आर्द्रभूमि कॉम्प्लेक्स, तमिलनाडु
- **सर्वाधिक रामसर स्थल वाला राज्य:** तमिलनाडु (14)
- **मोंट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल आर्द्रभूमियाँ:**
  - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
  - लोकटक झील, मणिपुर

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

सीकर ज़िले में यूरेनियम खनन परियोजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राजस्थान विधानसभा में अपने संबोधन में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने **सीकर ज़िले की** खंडेला तहसील में यूरेनियम खनन परियोजना **का विवरण प्रस्तुत किया।**

मुख्य बिंदु

यूरेनियम खनन परियोजना के बारे में:

- **निवेश: यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (UCIL)** इस खनन परियोजना में लगभग **3,000 करोड़ रुपये** का निवेश करेगी।
- **रोज़गार:** इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय रोज़गार दर में सुधार और क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाना है।
  - इससे **1,623** प्रत्यक्ष रोज़गार सृजित होने की संभावना है, जिनमें से **80 प्रतिशत पद स्थानीय निवासियों** के लिये आरक्षित होंगे।
- **सहयोग:** यह परियोजना **एटॉमिक माइनरल्स डायरेक्टरेट फॉर एक्सप्लोरेशन एंड रिसर्च (AMD)** और परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) के सहयोग से संचालित की जा रही है।
- ये संगठन पहले से ही इस क्षेत्र में **अन्वेषणात्मक खनन** कर रहे हैं, जिसमें डिक्लाइन माइनिंग (ढलान खनन) और संबंधित कार्य शामिल हैं।

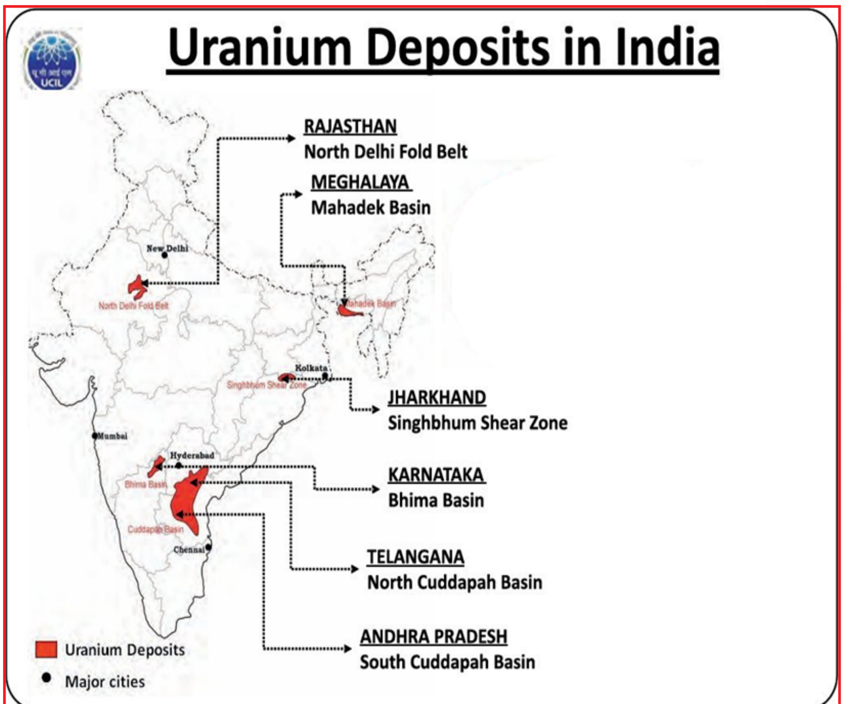

Uranium Deposits in India

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राजस्थान की मिलेट्स आउटलेट पहल

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी समितियों के माध्यम से 152 मिलेट्स आउटलेट्स स्थापित किये हैं, जो अपने प्रारंभिक लक्ष्य (34) से चार गुना अधिक हैं।

मुख्य बिंदु

- इन आउटलेट्स का उद्घाटन राज्य **बजट 2025-26** में घोषित एक बड़े रणनीतिक कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में रोज़गार सृजन करना है।
- यह महत्त्वाकांक्षी **परियोजना मिलेट्स** को **सुरक्षित, पोषक और सुलभ विकल्प** के रूप में आम लोगों की दैनिक आहार में लोकप्रिय बनाने के लिये तैयार की गई है।
- **सहकारी समितियों की भूमिका:** ये आउटलेट्स राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ, ज़िला सहकारी उपभोक्ता समितियों और क्रय विक्रय सहकारी समितियों जैसे संगठनों के माध्यम से स्थापित किये गए हैं।
  - इन समितियों ने **मिलेट्स** को बढ़ावा देने और इन्हें आहार में शामिल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य तथा कल्याण में सुधार हुआ है।
- **स्वयं सहायता समूहों का प्रोत्साहन:** सहकारी संस्थाओं के मिलेट्स उत्पादों के अलावा, महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद भी इन आउटलेट्स पर उपलब्ध हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण और उद्यमिता को समर्थन प्रदान करते हैं।

मिलेट्स (Millets)

- मिलेट्स एक सामूहिक शब्द है जो कई **छोटे-बीज वाले फसलों को संदर्भित करता** है, जिसकी खेती खाद्य फसल के रूप में मुख्य रूप से समशीतोष्ण, **उपोष्णकटिबंधीय और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** व शुष्क क्षेत्रों में सीमांत भूमि पर की जाती है।
- भारत में उपलब्ध कुछ सामान्य फसलों में बाजरा रा**गी (फिंगर मिलेट), ज्वार (सोरघम), समा (छोटा बाजरा), मोती बाजरा और वरिगा (प्रोसो मिलेट)** शामिल हैं।
- इन अनाजों के प्रमाण सबसे पहले **सिंधु सभ्यता में पाए गए और ये भोजन के लिये उगाए गए पहले पौधों में से थे।**
- **लगभग 131 देशों में इसकी खेती की जाती है,** यह एशिया और अफ्रीका में लगभग **60 करोड़ लोगों** के लिये पारंपरिक भोजन है।
- भारत **विश्व का सबसे बड़ा मिलेट्स उत्पादक** देश है, जिसकी वैश्विक उत्पादन में **38.4%** हिस्सेदारी है (FAO, 2023)।
- सभी राज्यों में, राजस्थान में **मिलेट्स** की खेती का सबसे बड़ा क्षेत्र है, इसके बाद **कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड** का स्थान है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बांसवाड़ा में परमाणु ऊर्जा संयंत्र

चर्चा में क्यों?

25 सितंबर, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के **माही-बांसवाड़ा में नए** परमाणु ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखेंगे, जिससे राज्य के ऊर्जा क्षेत्र को मज़बूत बनाने में मदद मिलेगी।

- इसके साथ ही, वे 1.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक की **अन्य परियोजनाओं का भी उद्घाटन** करेंगे।

मुख्य बिंदु

- प्रस्तावित **माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र** का निर्माण 1,366 एकड़ क्षेत्र में किया जाएगा, जिसकी **स्थापित क्षमता 2,800 मेगावाट** होगी और इसे **वर्ष 2036 तक पूरा** करने की उम्मीद है।
- लगभग 50,000 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में चार स्वदेशी 700 मेगावाट क्षमता वाले **दाबयुक्त भारी जल रिएक्टर (PHWR)** लगाए जाएंगे।
- यह परियोजना भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़ाने के व्यापक रणनीतिक प्रयास का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।
- **वर्तमान स्थिति:** वर्तमान में भारत में 220 मेगावाट क्षमता के 15 PHWR, 540 मेगावाट क्षमता के 2 PHWR तथा राजस्थान के रावतभाटा में 700 मेगावाट क्षमता का एक रिएक्टर संचालित है।
- PHWR एक प्रकार का परमाणु रिएक्टर है, जो भारी पानी (ड्यूटेरियम ऑक्साइड, D_2O) को **शीतलक और मंदक दोनों के रूप में** उपयोग करता है, जबकि प्राकृतिक या थोड़ा समृद्ध यूरेनियम ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **नियामक:** परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (AERB) भारत का **राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण है,** जो देश में परमाणु ऊर्जा और विकिरण प्रौद्योगिकियों के **सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित करने हेतु** उत्तरदायी है।
  - परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 के तहत वर्ष 1983 में स्थापित यह बोर्ड, **परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE)** के अंतर्गत **स्वतंत्र निकाय** के रूप में कार्य करता है।
- **कुल क्षमता:** भारत की वर्तमान परमाणु ऊर्जा क्षमता 8.18 गीगावाट (2024) है, जिसे वर्ष 2031-32 तक 22.48 गीगावाट और **2047 तक 100 गीगावाट** तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राजेश्वर सिंह राज्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त

चर्चा में क्यों?

17 सितंबर 2025 को, राजस्थान के राज्यपाल **हरिभाऊ बागड़े** ने **राजेश्वर सिंह** को राजस्थान के नए मुख्य राज्य निर्वाचन आयुक्त (SEC) के रूप में नियुक्त किया, जो **मधुकर गुप्ता** का स्थान लेंगे।

- **35 वर्ष के प्रतिष्ठित करियर वाले सेवानिवृत्त IAS अधिकारी** राजेश्वर सिंह अब शासन और चुनाव प्रबंधन में अपने व्यापक अनुभव का लाभ उठाते हुए, **स्वतंत्र तथा निष्पक्ष** पंचायत एवं नगरपालिका चुनाव सुनिश्चित करने में राज्य चुनाव आयोग की भूमिका की देखरेख करेंगे।

मुख्य बिंदु

राज्य चुनाव आयोग के बारे में:

- **परिचय:**
  - राजस्थान का **राज्य निर्वाचन आयोग (SEC)** जुलाई 1994 में भारत के संविधान के **अनुच्छेद 243K** के अंतर्गत गठित किया गया।
  - 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1992, के साथ **अनुच्छेद 243K तथा 243ZA** प्रत्येक राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश में पंचायत व स्थानीय शहरी निकायों के चुनावों के संचालन के लिये **राज्य निर्वाचन आयोगों (SECs)** के गठन का आदेश देते हैं।
- **उत्तरदायित्व:**
  - **मतदाता सूची:** अद्यतन मतदाता सूची तैयार करना और उसका रखरखाव करना।
  - **चुनाव संचालन:** पंचायती राज संस्थाओं तथा नगर निकायों के लिये स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव कराना।
  - **पर्यवेक्षण:** राजस्थान में स्थानीय निकायों के चुनावों में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना।
- **भूमिका:**
  - राज्य चुनाव आयुक्त (SEC) को **राज्य निर्वाचन आयोग** के प्रत्यक्ष अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण के तहत चुनाव कराने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि स्थानीय स्तर पर **स्वतंत्र** तथा **निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके।**
- **कर्त्तव्य:**
  - राज्य सरकारों को कानून के तहत चुनावों के प्रभावी संचालन के लिये SEC को **आवश्यक धनराशि, कर्मचारी और सहायता प्रदान करना आवश्यक है, जैसा कि** SEC **द्वारा अनुरोध किया गया हो।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **नियुक्ति:**
  - राज्य चुनाव आयुक्त की **नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है**। सेवा की शर्तें और कार्यकाल राज्यपाल द्वारा निर्धारित किये जाते हैं।
    - यह पद स्वायत्तता और अधिकार के साथ धारण किया जाता है।
- **शक्तियाँ:**
  - अनुच्छेद 243K(1) के अंतर्गत, SEC के पास **चुनावी सूची** तैयार करने **और पंचायतों** (अनुच्छेद 243ZA के अंतर्गत नगरपालिकाओं) **के चुनाव कराने की विशेष शक्ति** होती है।
- **कार्यकाल:**
  - अनुच्छेद 243K(2) यह सुनिश्चित करता है कि राज्य **चुनाव आयुक्त का कार्यकाल** और **नियुक्ति प्रक्रिया** राज्य विधानमंडल द्वारा बनाई गई विधियों द्वारा शासित होगी, जो इसकी भूमिका के लिये एक स्पष्ट वैधानिक ढाँचा प्रदान करती है।
- **पदच्युति:**
  - राज्य चुनाव आयुक्त का दर्जा, वेतन और भत्ते उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान होते हैं। उन्हें उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान प्रक्रिया तथा आधारों का पालन करके ही पद से हटाया जा सकता है, जिससे उनकी **स्वतंत्रता** तथा **कार्यकाल की सुरक्षा सुनिश्चित होती** है।

राजस्थान में चुनावों का इतिहास:

- **प्रथम चुनाव:** राजस्थान में **प्रथम पंचायत चुनाव** वर्ष 1960 में पंचायत विभाग द्वारा आयोजित किये गये, तत्पश्चात वर्ष 1963 में प्रथम नगरपालिका चुनाव हुए, जिनका आयोजन निर्वाचन विभाग द्वारा किया गया।
- **SEC की भूमिका:** SEC ने वर्ष 1995 के **छठे आम चुनाव** से PRI चुनावों के संचालन की ज़िम्मेदारी संभाली और वर्ष 1994 से नगर निकायों के आम चुनाव आयोजित कर रहा है।
- **पंचायती राज की संरचना:** राजस्थान में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था है:
  - **ज़िला परिषद (ज़िला स्तर):** 33 ज़िला परिषद, 1014 निर्वाचन क्षेत्र।
  - **पंचायत समिति (ब्लॉक स्तर):** 352 पंचायत समितियाँ, 6995 निर्वाचन क्षेत्र।
  - **पंचायत (ग्राम स्तर):** 11,307 पंचायतें, 108,924 वार्ड।
- **नगरपालिका चुनावों की संरचना:**
  - राजस्थान में शहरी स्थानीय निकायों में **नगरपालिका, नगर परिषद और नगर निग**म शामिल हैं।

राजस्थान की पहली ट्रांसजेंडर वकील

चर्चा में क्यों?

रवीना सिंह राजस्थान बार काउंसिल में महिला के रूप में पंजीकरण कराने वाली **पहली ट्रांसजेंडर वकील** बन गईं।

मुख्य बिंदु

- राजस्थान के **पाली ज़िले** के एक रूढ़िवादी परिवार में जन्मी रवीना सिंह का **नाम** पहले **रवींद्र सिंह** था, जिन्होंने सामाजिक मानदंडों और पारिवारिक अपेक्षाओं को चुनौती देते हुए अपनी वास्तविक **लैंगिक पहचान** को अपनाया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- उनकी उपलब्धि ने न केवल व्यक्तिगत जीत को चिह्नित किया, बल्कि व्यावसायिक क्षेत्रों में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को शामिल करने के लिये एक उदाहरण भी प्रस्तुत किया है।
- **कानूनी पहल:** रवीना ने **ट्रांसजेंडर अधिकारों** के लिये **राजस्थान** उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका भी दायर की थी, ताकि **शिक्षा और रोज़गार प्रणाली** में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की **व्यापक पहचान** तथा **प्रतिनिधित्व** सुनिश्चित किया जा सके।

ट्रांसजेंडर व्यक्ति

- **ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019** के अनुसार, ट्रांसजेंडर अथवा उभयलिंगी व्यक्ति वह होता है जिसकी **लैंगिक पहचान जन्म के समय निर्धारित लिंग से सुमेलित नहीं होती है**।
- **जनसंख्या: वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार** भारत में ट्रांसजेंडर की जनसंख्या लगभग 4.88 लाख है।
  - सबसे अधिक ट्रांसजेंडर जनसंख्या वाले शीर्ष 3 राज्य **उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र हैं।**
  - इसमें **इंटरसेक्स भिन्नता वाले ट्रांस-व्यक्ति, जेंडर-क्वीर और** सामाजिक-सांस्कृतिक अस्मिता वाले व्यक्ति जैसे **किन्नर, हिजड़ा, आरावानी** तथा **जोगता** शामिल हैं।
- **LGBTQIA+ का हिस्सा:** ट्रांसजेंडर व्यक्ति LGBTQIA+ समुदाय का हिस्सा हैं, जिन्हें संक्षिप्त नाम में "T" द्वारा दर्शाया गया है।
  - LGBTQIA+ एक संक्षिप्ति (शब्दों के प्रथम अक्षरों से बना शब्द) है जो **लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर, क्वीर, इंटरसेक्स और एसेक्सुअल** का प्रतिनिधित्व करता है।
  - "+" उन अनेक अन्य अस्मिताओं को दर्शाता है जिनकी **पहचान प्रकिया** तथा **अवबोधन वर्तमान में जारी** है।
  - इस संक्षिप्ति में निरंतर परिवर्तन जारी है और इसमें **नॉन-बाइनरी** तथा **पैनसेक्सुअल** जैसे अन्य पद भी शामिल किये जा सकते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **ट्रांसजेंडर अधिकार सुधार में प्रमुख उपलब्धियाँ**
  - **निर्वाचन आयोग का निर्देश (वर्ष 2009):** पंजीकरण फॉर्म को अद्यतन कर उसमें **"अन्य" विकल्प** शामिल किया गया, जिससे ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पुरुष या महिला पहचान से बचने में मदद मिली।
  - **सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय (वर्ष 2014):** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण बनाम भारत संघ मामले, 2014 में सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रांसजेंडर लोगों को **"थर्ड जेंडर"** के रूप में मान्यता दी तथा इसे मानवाधिकार मुद्दा माना।
  - **विधायी प्रयास (वर्ष 2019): ट्रांसजेंडर व्यक्तियों** के अधिकारों की रक्षा के लिये उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 लागू किया गया।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में फिशिंग कैट

चर्चा में क्यों ?

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व (RVTR) में फिशिंग कैट का पहली बार देखा जाना, इसके छोटी बिल्ली प्रजातियों के समूह में एक महत्त्वपूर्ण वृद्धि का संकेत है और रिज़र्व के **जैविक महत्त्व** व आर्द्रभूमि **आवासों की स्वास्थ्य स्थिति** को रेखांकित करता है।

मुख्य बिंदु

- **फिशिंग कैट के बारे में:**
  - बूंदी के रामगढ़ रेंज में RVTR के जीवविज्ञानी और दलेलपुरा ट्रैकिंग टीम द्वारा बाघ की नियमित निगरानी के दौरान पहली बार फिशिंग कैट को देखा गया, जिससे इसकी उपस्थिति की पुष्टि हुई।
- **विद्यमान प्रजातियाँ:**
  - इस खोज से पहले, RVTR में चार छोटी बिल्ली प्रजातियाँ पाई जाती थीं:
    - **जंगल बिल्ली** (Felis chaus)
    - **रस्टी-स्पॉटेड कैट** (Prionailurus rubiginosus)
    - **एशियाटिक वाइल्ड कैट** (Felis lybica ornata)
    - **काराकल** (Caracal caracal)
  - फिशिंग कैट के शामिल होने से इसकी संख्या **पाँच** हो गई, जिससे **रिज़र्व की** जैवविविधता **और समृद्ध हो गई है।**
- **आवास:**
  - आमतौर पर यह प्रजाति **आर्द्रभूमि और नदी किनारे के पर्यावरण** में पाई जाती है। RVTR में इसकी उपस्थिति रिज़र्व के **जल पारिस्थितिकी तंत्र की स्वास्थ्य स्थिति** को दर्शाती है, जो इस प्रजाति के जीवन के लिये अत्यावश्यक है।
- **आहार:**
  - फिशिंग कैट मुख्यत: **मछली और** जलीय अकशेरुकी जीवों का शिकार करती है, इसलिये **आर्द्रभूमियों का संरक्षण** इसके अस्तित्व के लिये महत्वपूर्ण है।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - IUCN रेड लिस्ट: संवेदनशील (Vulnerable)
  - CITES: परिशिष्ट II
  - भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची I

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **महत्त्व:**
  - इस खोज से RVTR को राजस्थान में **जैवविविधता हॉटस्पॉट** के रूप में मान्यता मिलने में योगदान मिलेगा।
  - यहाँ **शीर्ष शिकारी** जैसे बाघ और तेंदुए तथा छोटे मांसाहारी जीव पाए जाते हैं, जो **परिस्थितिकी तंत्र के संतुलन** को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत की सबसे बड़ी बैटरी भंडारण परियोजना

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने राजस्थान के **बीकानेर** में **भारत की सबसे बड़ी बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना** तथा 1,560 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखी, जो नवीकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा सुरक्षा सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

- प्रधानमंत्री ने बीकानेर में एक अन्य स्थल पर अवाडा ग्रुप **की 282 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा** परियोजना का भी उद्घाटन किया, जिससे क्षेत्र की सौर ऊर्जा अवसंरचना को और गति मिलेगी।

मुख्य बिंदु

- **अवाडा ग्रुप की परियोजना:**
  - अवाडा ग्रुप की इस परियोजना में 2,500 मेगावाट-घंटा (MWh) की **बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS)** को 1,560 मेगावाट क्षमता (MWp) के सौर ऊर्जा संयंत्र के साथ एकीकृत किया गया है, जो बीकानेर के पूगल क्षेत्र में स्थापित है, जिसमें कुल निवेश 9,200 करोड़ रुपये से अधिक है।
  - सौर ऊर्जा संयंत्र और BESS कुल 4,000 एकड़ भूमि पर स्थित होंगे तथा इन्हें **अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी** से सुसज्जित किया गया है, जिसमें अवाडा इलेक्ट्रो के ALMM-प्रमाणित, भारत में निर्मित टॉपकॉन N-टाइप **द्विमुखी सौर PV मॉड्यूल** प्रयुक्त होंगे, जिनका उद्देश्य ऊर्जा दक्षता अधिकतम करना और ग्रिड को स्थिर बनाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- 1,560 MWp का यह सौर संयंत्र सामान्य सौर घंटों से बाहर भी विद्युत आपूर्ति करने में सक्षम होगा, जिससे ग्रिड की स्थिरता और सुदृढ़ होगी।
- **श्री डूंगरगढ़ सौर परियोजना**
  - बीकानेर में 777 एकड़ क्षेत्र में फैली 200 मेगावाट की यह परियोजना राजस्थान डिस्कॉम्स को विद्युत की आपूर्ति करेगी। इससे राज्य को स्वच्छ और सुलभ ऊर्जा उपलब्ध होगी।
- **राज्य का समर्थन:**
  - परियोजना का तीव्र क्रियान्वयन, जो एक वर्ष से भी कम समय में चालू हो गया, **राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम** के दौरान हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (MoU) के कारण संभव हो पाया, जो नवीकरणीय ऊर्जा को आगे बढ़ाने के लिये राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **महत्त्व:**
  - यह परियोजना निरंतर हरित ऊर्जा सुनिश्चित करेगी, ग्रिड लचीलापन (resilience) बढ़ाएगी और भारत की **ऊर्जा सुरक्षा** के लिये नए मानक स्थापित करेगी।
  - इन परियोजनाओं से राजस्थान में 1,600 से अधिक **हरित रोज़गार** सृजित होंगे, प्रतिवर्ष 20 लाख टन CO_2 उत्सर्जन में कमी आएगी तथा रोबोटिक सफाई तकनीकों के माध्यम से प्रतिवर्ष 600 लाख लीटर जल का संरक्षण होगा।

राजस्थान में बाल विवाह की दर में कमी

चर्चा में क्यों?

राजस्थान, जिसे कभी बाल विवाह का केंद्र माना जाता था, में बाल विवाह के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है, जहाँ **लड़कों में मामले 67% और लड़कियों में 66% घटे** हैं, यह जानकारी **न्यूयॉर्क में** संयुक्त राष्ट्र महासभा में जारी एक अध्ययन में दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - "**टिपिंग पॉइंट टू ज़ीरो: एविडेंस टुवड्र्स ए चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया**" शीर्षक वाला यह अध्ययन 250 से अधिक बाल संरक्षण संगठनों के नेटवर्क, **जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन (JRC)** द्वारा **राजस्थान बाल अधिकार निदेशालय** के सहयोग से वर्ष 2022 और 2024 के बीच पाँच राज्यों में किया गया था। इस पहल को भारत सरकार और विभिन्न नागरिक समाज संगठनों का भी समर्थन प्राप्त था।
  - रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि बाल विवाह को कम करने में **जागरूकता अभियान** सबसे प्रभावी साधन रहे, जिसे राजस्थान में 99% उत्तरदाताओं ने अत्यंत महत्त्वपूर्ण बताया।
  - यह भी उल्लेख किया गया है कि **82% उत्तरदाताओं ने गिरफ्तारी और मुकदमेबाज़ी** को इस प्रथा को रोकने में दूसरे सबसे प्रभावशाली कारक के रूप में माना।
  - इन सुधारों के बावजूद, अध्ययन यह रेखांकित करता है कि **कमज़ोर वित्तीय स्थिति (91%),** सांस्कृतिक और पारंपरिक प्रथाएँ (45%) तथा यह विश्वास कि कम उम्र में विवाह करने से "पवित्रता" सुनिश्चित होती है (45%) **बाल विवाह के स्थायी प्रेरक कारक बने हुए हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **रिपोर्ट की सिफारिशें:** रिपोर्ट बाल विवाह संबंधी कानूनों के कड़े प्रवर्तन, बेहतर रिपोर्टिंग तंत्र, अनिवार्य विवाह पंजीकरण और बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल के संबंध में ग्राम स्तर पर जागरूकता सुनिश्चित करने का आह्वान करती है।
  - इसमें देश भर में सामूहिक कार्रवाई के लिये **बाल विवाह विरोधी राष्ट्रीय दिवस** घोषित करने की भी सिफारिश की गई है।

बाल विवाह

- **परिचय: UNICEF** बाल विवाह को मानवाधिकार उल्लंघन मानता है क्योंकि इसका लड़कियों और लड़कों दोनों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
  - **सतत् विकास लक्ष्य 5.3** के अनुसार, बाल विवाह का उन्मूलन **सतत् विकास लक्ष्य 5** को प्राप्त करने में महत्त्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक लैंगिक समानता और महिलाओं तथा लड़कियों के सशक्तीकरण को सुनिश्चित करना है।
  - संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, वर्ष 2022 तक विश्वभर में 5 में से 1 युवती (19%) का विवाह बचपन में ही हो गया था।
- **वैधानिक ढाँचा:** भारत ने वर्ष **2006 में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम** पारित किया, जिसके तहत पुरुषों के लिये विवाह की कानूनी आयु 21 वर्ष और महिलाओं के लिये 18 वर्ष निर्धारित की गई।
  - **बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम** की **धारा 16** राज्य सरकारों को विशिष्ट क्षेत्रों के लिये '**बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी (CMPO)**' नियुक्त करने की अनुमति देती है।
    - बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी (CMPO) बाल विवाह को रोकने, अभियोग के लिये साक्ष्य एकत्र करने, ऐसे विवाहों को बढ़ावा देने या सहायता करने के विरुद्ध परामर्श देने, इनके हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूकता का प्रसार करने और समुदायों को संवेदनशील बनाने के कार्यों के लिये ज़िम्मेदार होते हैं।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

उर्जित पटेल IMF में कार्यकारी निदेशक नियुक्त

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के पूर्व गवर्नर **उर्जित पटेल** को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में **कार्यकारी निदेशक** (ED) के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है।

- वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो **बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान के साथ चार देशों** के निर्वाचन क्षेत्र का अंग है।
- IMF के कार्यकारी बोर्ड में 25 निदेशक होते हैं, जिनका चुनाव सदस्य देशों या देशों के समूहों द्वारा किया जाता है।

मुख्य बिंदु

- **मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति** ने कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिये अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, उनकी नियुक्ति को मंज़ूरी दी है।
- वह पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार **के. वी. सुब्रमण्यन** का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल अनियमितता के आरोपों के कारण छह महीने कम कर दिया गया था।
- **भूमिका:** IMF में कार्यकारी निदेशक के रूप में, वह निम्नलिखित कार्य करेंगे:
  - कार्यकारी बोर्ड का हिस्सा बनना, जो **वैश्विक और क्षेत्रीय आर्थिक नीतियों, राष्ट्रीय आर्थिक नीतियों** तथा कोष की क्षमता-विकास पहलों पर विचार-विमर्श करता है तथा उन पर प्रभाव डालता है।
  - अस्थायी भुगतान-संतुलन समस्याओं के समाधान हेतु सदस्य देशों की वित्तीय सहायता पैकेजों की स्वीकृति में सहयोग प्रदान करना।
  - सदस्य देशों के आर्थिक सुधारों और नीतिगत पहलों को दिये जाने वाले IMF के सहयोग की निगरानी में केंद्रीय भूमिका निभाना।

उर्जित पटेल:

- **परिचय**
  - उर्जित पटेल वर्ष 2016 से 2018 तक **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** के 24वें गवर्नर रहे। उन्होंने रघुराम राजन के उत्तराधिकारी के रूप में यह दायित्व संभाला। इससे पूर्व वे उप-गवर्नर के पद पर कार्यरत थे, जहाँ उन्होंने मौद्रिक नीति, आर्थिक अनुसंधान और जमा बीमा जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों की देखरेख की थी।
  - RBI से त्याग-पत्र देने के बाद उर्जित पटेल ने बीजिंग स्थित एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB) में **निवेश परिचालन के उपाध्यक्ष** के रूप में कार्य किया। पारिवारिक स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने जनवरी 2024 में इस पद से त्यागपत्र दे दिया।
  - जून 2020 से वे **राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (NIPFP)** के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।
- **RBI में सुधार:**
  - उनके नेतृत्व में RBI ने मौद्रिक नीति में महत्त्वपूर्ण सुधार पेश किये, जिनमें ब्याज दरों पर निर्णय लेने के लिये अक्तूबर 2016 में गठित मौद्रिक नीति समिति (MPC) भी शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **परिवर्तनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण:** RBI ने जनवरी 2014 में अनुशंसित परिवर्तनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण ढाँचे को अपनाया, जिसमें पटेल ने डिप्टी गवर्नर के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डायमंड लीग 2025

चर्चा में क्यों?

नीरज चोपड़ा स्विट्ज़रलैंड के ज़्यूरिख में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में उपविजेता रहे। जर्मनी के **जूलियन वेबर** ने 91.57 मीटर का थ्रो फेंककर अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता।

मुख्य बिंदु:

- **नीरज चोपड़ा** का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फाइनल राउंड में 85.01 मीटर रहा, जिससे वह **केशोर्न वालकॉट** (84.95 मीटर) को पीछे छोड़कर तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुँच गए।
- यूरोपीय चैंपियन **जूलियन वेबर** ने दो बार 90 मीटर से अधिक का थ्रो करते हुए प्रतियोगिता पर प्रभुत्व स्थापित किया और विश्व चैंपियनशिप के लिये शीर्ष दावेदार के रूप में अपनी स्थिति सुदृढ़ की।

वांडा डायमंड लीग

- **शृंखला का अवलोकन:** वर्ष 2010 में आरम्भ की गई वांडा डायमंड लीग एक **विशिष्ट वैश्विक एथलेटिक्स प्रतियोगिता** है, जिसमें चार महाद्वीपों और 13 देशों में आयोजित 15 प्रतिष्ठित स्पर्द्धाएँ शामिल हैं। यह एथलीटों को प्रमुख **चैंपियनशिप** के अतिरिक्त खेल की **सर्वोच्च उपाधि** के लिये प्रतिस्पर्द्धा करने का अवसर प्रदान करती है।
  - एथलीट अप्रैल से सितंबर तक आयोजित 14 शृंखला प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और अपने प्रदर्शन के आधार पर अंक अर्जित करते हैं। प्रत्येक प्रतियोगिता के शीर्ष एथलीट, वाइल्डकार्ड प्रविष्टियों के साथ, दो दिवसीय वांडा डायमंड लीग फाइनल के लिये क्वालीफाई करते हैं।
- **वांडा डायमंड लीग फाइनल:** ज़्यूरिख में आयोजित यह दो दिवसीय आयोजन **विजेता-सब-कुछ ले जाए** प्रारूप पर आधारित है। प्रत्येक स्पर्द्धा के विजेताओं को डायमंड ट्रॉफी तथा (निर्धारित शर्तों के अनुसार) वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वाइल्डकार्ड प्रविष्टि प्रदान की जाती है।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

भारत के ग्रामीण और शैक्षिक रूप से वंचित क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा हेतु सामुदायिक तथा सरकारी संसाधन जुटाने के लिये समर्पित भारतीय गैर-लाभकारी संगठन **'फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली'** को वर्ष 2025 का रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया है।

- अन्य पुरस्कार विजेताओं में **मालदीव की शाहिना अली** को उनके पर्यावरण संबंधी कार्य के लिये तथा **फिलीपींस के फ्लावियानो एंटोनियो एल. विलानुएवा** को गरीबों और हाशिये पर पड़े लोगों के उत्थान के प्रयासों के लिये सम्मानित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **एजुकेट गर्ल्स के बारे में:**
  - इसे फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली के नाम से भी जाना जाता है। इसकी स्थापना वर्ष 2007 में **सफीना हुसैन** द्वारा की गई थी।
    - यह एशिया में **नोबेल पुरस्कार के समकक्ष** इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संगठन है।
- **उद्देश्य:**
  - इस संगठन की **शुरुआत राजस्थान** से हुई, जिसका उद्देश्य स्कूल न जाने वाली बालिकाओं को कक्षाओं में नामांकन कर महिला निरक्षरता को दूर करना तथा उच्च शिक्षा और रोज़गार तक उनकी सहायता करना है।
- **मिशन:**
  - फाउंडेशन का मुख्य मिशन **"वन गर्ल एट अ टाइम"** है, जो ज़मीनी स्तर के प्रयासों, सामुदायिक प्रोत्साहन तथा साझेदारी पर आधारित है।
  - इसका उद्देश्य गरीबी, घरेलू कार्य जैसे अवरोधों को दूर कर समाज में बालिका शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।
- **पहल:**
  - वर्ष 2015 में एजुकेट गर्ल्स ने शिक्षा क्षेत्र में विश्व का पहला **विकास प्रभाव बॉण्ड (DIB)** शुरू किया, जिसमें वित्तीय सहायता को मापने योग्य परिणामों से जोड़ा गया। इस पहल से 30,000 गाँवों की 20 लाख से अधिक बालिकाएँ लाभान्वित हुईं।
  - संगठन ने 15-29 वर्ष की युवा महिलाओं के लिये एक ओपन स्कूलिंग कार्यक्रम **'प्रगति'** की भी शुरुआत की, जिसमें प्रतिभागियों की संख्या 300 से बढ़कर 31,500 हो गई। इस पहल ने उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

- वर्ष 1958 में स्थापित **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** उन व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करता है जिन्होंने जटिल सामाजिक मुद्दों को संबोधित करते हुए एशिया तथा विश्व स्तर पर मानव विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।
  - पुरस्कार विजेताओं का चयन प्रतिवर्ष **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार फाउंडेशन (RMAF)** द्वारा किया जाता है और उन्हें पदक, प्रमाण-पत्र तथा नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- 67वाँ **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार समारोह** 7 नवंबर, 2025 को मनीला के **मेट्रोपॉलिटन थिएटर** में आयोजित किया जाएगा।
- **उद्देश्य:**
  - यह पुरस्कार जाति, लिंग या धर्म से परे नि:स्वार्थ सेवा और भावना की महानता को मान्यता देने के लिये बनाया गया था तथा एशिया में परिवर्तनकारी नेतृत्व तथा साहस का उत्सव मनाता है।
- **श्रेणियाँ:**
  - वर्ष 1958 से 2008 तक यह पुरस्कार छह श्रेणियों में प्रदान किया गया:
    - सरकारी सेवा
    - सार्वजनिक सेवा
    - सामुदायिक नेतृत्व
    - पत्रकारिता, साहित्य और रचनात्मक संचार कला
    - शांति और अंतर्राष्ट्रीय समझ
    - उभरता नेतृत्व (40 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के लिये)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वर्ष 2009 के बाद से यह पुरस्कार किसी निश्चित श्रेणी में नहीं दिया जाता, केवल **इमर्जेंट लीडरशिप** को छोड़कर, जो *फोर्ड फाउंडेशन* के सहयोग से जारी है।

युद्ध अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों ?

भारतीय सेना का एक दल **अमेरिका के अलास्का स्थित फोर्ट वेनराइट** के लिये प्रस्थान कर चुका है, जहाँ 1 से 14 सितंबर, 2025 तक भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास '**युद्ध अभ्यास**' का 21वाँ संस्करण आयोजित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **भाग लेने वाली सेनाएँ:**
  - भारतीय दल में **मद्रास रेजिमेंट** की एक बटालियन के कार्मिक शामिल हैं, जो भारतीय सेना की सबसे पुरानी रेजिमेंटों में से एक है।
  - अमेरिकी सेना का प्रतिनिधित्व 11वीं एयरबोर्न डिवीज़न के अंतर्गत *आर्कटिक वोल्व्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम* की पहली बटालियन, 5वीं इन्फैंट्री रेजीमेंट "**बॉबकैट्स**" के सैनिकों द्वारा किया जाएगा।
- **गतिविधियाँ:**
  - अभ्यास के दौरान दोनों देशों की सेनाएँ विविध सामरिक कौशलों का अभ्यास करेंगी, जिनमें हेलिबोर्न ऑपरेशन, निगरानी संसाधनों एवं **मानव रहित हवाई प्रणालियों का प्रयोग,** रॉकक्राफ्ट, पर्वतीय युद्धकला, हताहतों की निकासी, युद्धक्षेत्र चिकित्सा सहायता तथा तोपखाने, **वायुसेना** एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का समन्वित उपयोग शामिल है।
- **अभ्यास का समापन:**
  - यह अभ्यास संयुक्त रूप से नियोजित एवं क्रियान्वित सामरिक अभियानों के साथ संपन्न होगा, जिनमें **लाइव-फायर ड्रिल्स** से लेकर उच्च पर्वतीय युद्ध परिदृश्यों तक की अभिव्यक्ति होगी।
- **उद्देश्य:**
  - 'युद्ध अभ्यास 2025' का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना** अभियानों के लिये परिचालन तत्परता को सुदृढ़ करना है, जिससे शांति अभियानों के प्रभावी प्रबंधन हेतु क्षमता-निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।
  - इसके अतिरिक्त, यह अभ्यास बहु-क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने हेतु सेनाओं को तैयार करेगा तथा एकीकृत युद्ध और संयुक्त परिचालन रणनीतियों के महत्त्व पर ज़ोर देगा।

आदि वाणी

चर्चा में क्यों ?

जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने **जनजातीय गौरव वर्ष (JJGV)** समारोह के हिस्से के रूप में जनजातीय भाषाओं के लिये भारत के पहले **AI-संचालित** अनुवाद मंच **'आदि वाणी'** का बीटा संस्करण लॉन्च किया है।

मुख्य बिंदु

- **आदि वाणी के बारे में**
  - आदि वाणी को **IIT दिल्ली** के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय संघ द्वारा विकसित किया गया है, जिसमें BITS पिलानी, IIIT हैदराबाद, IIIT नवा रायपुर तथा झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मेघालय के जनजातीय अनुसंधान संस्थानों का सहयोग शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- बीटा संस्करण वर्तमान में **संथाली, भीली, मुंडारी और गोंडी** भाषाओं का समर्थन करता है, जबकि **कुई और गारो** जैसी भाषाओं पर विकास कार्य प्रगति पर है।

- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - हिंदी, अंग्रेजी और जनजातीय भाषाओं के बीच वास्तविक समय में पाठ एवं वाक् अनुवाद की सुविधा।
  - छात्रों और नव-शिक्षार्थियों के लिये **इंटरैक्टिव भाषा शिक्षण मॉड्यूल**।
  - लोककथाओं एवं मौखिक परंपराओं का डिजिटलीकरण कर सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण।
  - जनजातीय भाषाओं में सरकारी परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी संदेश, उपशीर्षकों सहित उपलब्ध कराना।

जनजातीय गौरव वर्ष (JJGV)

- यह वर्ष भगवान बिरसा मुंडा (धरती आबा) की 150वीं जयंती का स्मरण करता है तथा जनजातीय नायकों की अद्वितीय विरासत को सम्मानित करता है।
- इसे **15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025** तक जनजातीय गौरव दिवस (2021 में घोषित) के एक साल के विस्तार के रूप में मनाया जा रहा है।
- यह पहल धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष ग्राम अभियान तथा प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (PM JAN-MAN) जैसे प्रमुख कार्यक्रमों से जुड़ी हुई है।

उद्देश्य:

- भारत की **सांस्कृतिक अस्मिता** और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदायों के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक योगदान को रेखांकित करना।
- **संपूर्ण शासन दृष्टिकोण** के माध्यम से जनजातीय कल्याण को प्रोत्साहित करना।
- **जनजातीय विकास संबंधी पहलों में** जनभागीदारी (लोगों की सक्रिय सहभागिता) को बढ़ावा देना।
- जनजातीय नायकों के प्रति जागरूकता और राष्ट्र-निर्माण में उनकी भूमिका की पहचान को सुदृढ़ करना।

NCERT का 65वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने NCERT के 65वें स्थापना दिवस पर अनेक पहलों का शुभारंभ किया। उन्होंने संस्थान से **शिक्षा के प्रति सुधारोन्मुख एवं प्रौद्योगिकी-आधारित दृष्टिकोण** अपनाने का आह्वान किया।

मुख्य बिंदु

शुभारंभ की गई प्रमुख पहलें:

- **पीएम ई-विद्या मोबाइल एप्लिकेशन:**
  - यह पीएम ई-विद्या के अंतर्गत सभी प्रमुख डिजिटल एवं प्रसारण पहलों तक पहुँच हेतु एक केंद्रीकृत पोर्टल है, जिसे BISAG-N के सहयोग से विकसित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **दीक्षा 2.0** :
  - इसमें संरचित पाठ, अनुकूली मूल्यांकन, प्रदर्शन फीडबैक, चर्चा मंच और **एआई** उपकरण जैसे रीड अलाउड, क्लोज्ड कैप्शन तथा 12 भाषाओं में पाठ फाइलों का अनुवाद शामिल है।
- **प्रशस्त 2.0:**
  - यह एक **पूर्व-मूल्यांकन समग्र स्क्रीनिंग टूल है** जो दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान के लिये मोबाइल और वेब प्लेटफॉर्म को उन्नत करता है।
- **किताब एक पढ़े अनेक :**
  - राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप यह पहल **यूनिवर्सल डिज़ाइन ऑफ़ लर्निंग (UDL) आधारित** सुलभ डिजिटल एवं मुद्रित पाठ्यपुस्तकों के निर्माण पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य **समावेशी कक्षाओं की स्थापना करना** है, जिससे विशेषकर दिव्यांगजन छात्रों एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के बच्चों को लाभ मिल सके।
- **उत्कल जननींकर सुजोग्य संतान :**
  - **यह पुस्तक ओडिशा के 100 महान व्यक्तित्वों** के जीवन और योगदान पर आधारित है, जिन्होंने आधुनिक ओडिशा के विकास में योगदान दिया तथा **राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी भाग लिया।**

NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद)

- **स्थापना:** 1 सितंबर 1961
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- **उद्देश्य: भारत सरकार के अधीन** एक **स्वायत्त संगठन के रूप में** , यह विद्यालयी शिक्षा से संबंधित शैक्षणिक मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सहायता तथा सलाह देता है।
- **कार्य:** पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण-अधिगम सामग्री और **नवीन शैक्षणिक उपकरण विकसित करना,** साथ ही अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी संचालित करना।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 8वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों ?

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) ने 1 सितंबर 2025 को अपना **8वाँ स्थापना दिवस** मनाया और समावेशी तथा सुलभ **बैंकिंग सेवाएँ** अंतिम छोर तक पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुख्य बिंदु

- **IPPB के बारे में:**
  - इसकी स्थापना वर्ष 2018 में डाक विभाग के अधीन एक सरकारी पहल के रूप में की गई थी।
  - इसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करना और डिजिटल इंडिया अभियान को आगे बढ़ाना है।
- **क्षेत्र**
  - IPPB के पास 1.64 लाख से अधिक **डाकघर तथा 1.90 लाख डाकिया और ग्रामीण डाक सेवक (GDS) कार्यरत हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह 12 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करता है, अरबों डिजिटल लेन-देन संपन्न करता है तथा ग्रामीण, अर्द्ध-शहरी और दूरस्थ क्षेत्रों में घर-घर बैंकिंग उपलब्ध कराता है।

- **उद्देश्य**
  - प्रत्येक भारतीय को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह प्रशस्त करना।
  - **अंतिम छोर तक बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाना** ताकि ग्रामीण एवं वंचित आबादी भी वित्तीय रूप से समावेशित हो सके।
- **सेवाएँ:**
  - IPPB ने अपनी सेवाओं का विस्तार प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) वितरण, पेंशन भुगतान, ऋण सुविधा, **बीमा और निवेश** उत्पादों तक किया है, जो विभिन्न संस्थानों के सहयोग से उपलब्ध कराए जाते हैं।
  - नई सेवाओं में डिजी स्मार्ट डिजिटल सेविंग्स अकाउंट, प्रीमियम आरोग्य सेविंग्स अकाउंट, आधार-आधारित चेहरा प्रमाणीकरण, रूपे वर्चुअल डेबिट कार्ड, AePS सक्षम भुगतान, अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण और भारत बिल-पे एकीकरण शामिल हैं, जिन्होंने ग्राहकों की सुविधा को तथा बढ़ाया है।

पेमेंट्स बैंक

- **परिचय:**
  - पेमेंट्स बैंक एक विभेदित बैंक (Differentiated Bank) है, जो सीमित बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करता है।
  - डॉ. नचिकेत मोर समिति ने निम्न-आय वर्गों और छोटे व्यवसायों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये पेमेंट्स बैंक की स्थापना की सिफारिश की थी।
- **विशेषताएँ:**
  - यह केवल **बचत और चालू खातों में मांग जमा** स्वीकार कर सकता है, **सावधि जमा नहीं।**
  - प्रत्येक ग्राहक पेमेंट्स बैंक खाते में अधिकतम 2,00,000 रुपए की शेष राशि रख सकता है।
    - पेमेंट्स बैंक अनिवासी भारतीय (Non-Resident Indian-NRI) जमा स्वीकार नहीं कर सकते।
  - पेमेंट्स बैंक **गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवा गतिविधियाँ शुरू करने के लिये सहायक कंपनियाँ** स्थापित नहीं कर सकते हैं।

भारती पहल

चर्चा में क्यों?

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने **भारती (BHARATI)** पहल शुरू की है, जो **कृषि-तकनीक और कृषि-खाद्य** स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य और दृष्टिकोण:**
  - **भारती (BHARATI)**, जो भारत के कृषि प्रौद्योगिकी, लचीलापन, उन्नति और निर्यात सक्षमता के लिये **इनक्यूबेशन केंद्र** का संक्षिप्त रूप है, का उद्देश्य **कृषि-खाद्य** तथा **कृषि-तकनीक** क्षेत्रों के 100 स्टार्टअप्स को सशक्त बनाना है।
  - इस पहल का उद्देश्य **नवाचार में तेज़ी लाना** और नए निर्यात अवसर सृजित करना है, जिससे **वर्ष 2030** तक अनुसूचित उत्पादों के लिये **कृषि-खाद्य निर्यात** को 50 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने के भारत के लक्ष्य का समर्थन मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रथम पायलट समूह:**
  - पहला समूह, जो **सितंबर 2025** में शुरू होगा, 100 स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिनमें उच्च मूल्य वाले **कृषि-खाद्य उत्पादकों** से लेकर **प्रौद्योगिकी-संचालित सेवा प्रदाता** और **नवप्रवर्तक** शामिल होंगे।
  - **एआई-आधारित गुणवत्ता नियंत्रण**, **ब्लॉकचेन ट्रेसेबिलिटी**, IoT-सक्षम कोल्ड चेन और **एग्री-फिनटेक** जैसी उन्नत तकनीकों पर काम करने वाले स्टार्टअप्स शामिल किये जाएंगे।
- **नवाचार के लिये प्रमुख क्षेत्र:**
  - **भारती** पहल उच्च मूल्य वाले कृषि-खाद्य श्रेणियों जैसे GI-टैग उत्पाद, जैविक खाद्य पदार्थ, **सुपरफूड**, **नवीन प्रसंस्कृत कृषि-खाद्य पदार्थ**, **पशुधन उत्पाद** और **आयुष उत्पादों** को लक्षित करेगी।
    - यह पहल **पैकेजिंग**, **स्थिरता** और **समुद्री खाद्य प्रोटोकॉल** को संबोधित करने वाले अभिनव समाधानों को भी प्रोत्साहित करेगी।
- **निर्यात संबंधी चुनौतियों का समाधान:**
  - यह पहल **उत्पाद विकास**, **गुणवत्ता आश्वासन**, शीघ्र नष्ट होने वाले उत्पादों, **अपव्यय** और **रसद** से संबंधित प्रमुख निर्यात चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करेगी।
    - सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर यह **वैश्विक कृषि-खाद्य बाज़ार** में भारत की प्रतिस्पर्द्धात्मकता बढ़ाने के लिये **लागत प्रभावी समाधान** प्रदान करेगी।
- **सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र और साझेदारी:**
  - यह पहल **राज्य कृषि बोर्डों**, **कृषि विश्वविद्यालयों**, **IIT** और **NIT** जैसे प्रमुख संस्थानों तथा उद्योग निकायों के साथ मिलकर स्टार्टअप्स को आकर्षित करने एवं समर्थन देने के लिये काम करेगी।
  - पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिये **मौजूदा त्वरणक** (Existing **accelerators**) का भी लाभ उठाया जाएगा।
- **स्टार्टअप्स को समर्थन:**
  - एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान **हितधारकों** को शामिल करेगा और **समाधान-उन्मुख स्टार्टअप्स** को आकर्षित करेगा।
  - स्टार्टअप्स को तीन महीने के **त्वरण कार्यक्रम** से गुजरना होगा, जिसमें **उत्पाद विकास**, **निर्यात तत्परता**, **विनियामक अनुपालन** और **बाज़ार पहुँच** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- **सरकारी पहलों के साथ संरेखण:**
  - यह पहल भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, डिजिटल इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया पहलों के साथ संरेखित है।

APEDA की स्थापना APEDA अधिनियम, 1985 के तहत की गई थी और इसे **अल्कोहलिक** तथा **गैर-अल्कोहलिक पेय पदार्थ**, **मांस एवं मांस उत्पाद**, **पुष्पकृषि उत्पाद** आदि जैसे उत्पादों के **निर्यात संवर्द्धन व विकास** की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

वैश्विक शांति सूचकांक (GPI)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी वैश्विक शांति सूचकांक 2025 **में भारत को 115वाँ स्थान मिला है, जबकि आइसलैंड** सबसे शांतिपूर्ण देश के रूप में **शीर्ष स्थान पर** बना हुआ है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **वैश्विक शांति सूचकांक के बारे में:**
  - इसे प्रतिवर्ष *इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस* द्वारा जारी किया जाता है। इसमें 23 संकेतकों के आधार पर देशों को रैंक प्रदान की जाती है, जिनमें सैन्यीकरण, बाह्य संघर्ष, हत्या और आतंकवाद जैसे संकेतक शामिल हैं।
  - वैश्विक शांति सूचकांक 2025 में 163 देशों का विश्लेषण किया गया, जो विश्व की 99.7% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं।
  - इस सूचकांक के अनुसार, **राज्य-आधारित संघर्षों की संख्या द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गई है** तथा वर्ष 2025 में नए संघर्ष भी उभरे हैं
- **रैंकिंग 2025:**
  - आइसलैंड, आयरलैंड तथा न्यूज़ीलैंड को विश्व के सर्वाधिक शांतिपूर्ण देशों में स्थान प्राप्त हुआ है। **आइसलैंड वर्ष 2008 से शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।**
  - रूस, यूक्रेन, सूडान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य तथा यमन को सबसे कम शांतिपूर्ण देशों में शामिल किया गया है।
  - **शीर्ष 10 में सिंगापुर एकमात्र एशियाई देश** है, जो अत्यधिक सैन्य व्यय के बावजूद उच्च सुरक्षा स्तर बनाए हुए है।
  - भारत को 115वाँ स्थान प्राप्त हुआ है (वर्ष 2024 में 116वाँ), जबकि पाकिस्तान 144वें स्थान पर है, जो दोनों देशों के बीच सुरक्षा स्तर में महत्त्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है।
- **विश्व के 10 सर्वाधिक शांतिपूर्ण देश**

रैंक	देश	रैंक	देश
1	आइसलैंड	2	आयरलैंड
3	न्यूज़ीलैंड	4	ऑस्ट्रिया
5	स्विट्ज़रलैंड	6	सिंगापुर
7	पुर्तगाल	8	डेनमार्क
9	स्लोवेनिया	10	फिनलैंड

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय

चर्चा में क्यों ?

भारत में आधुनिक रसायन विज्ञान के अग्रदूत **आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय** की **164वीं जयंती** पर विभिन्न स्मारक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के बारे में:**

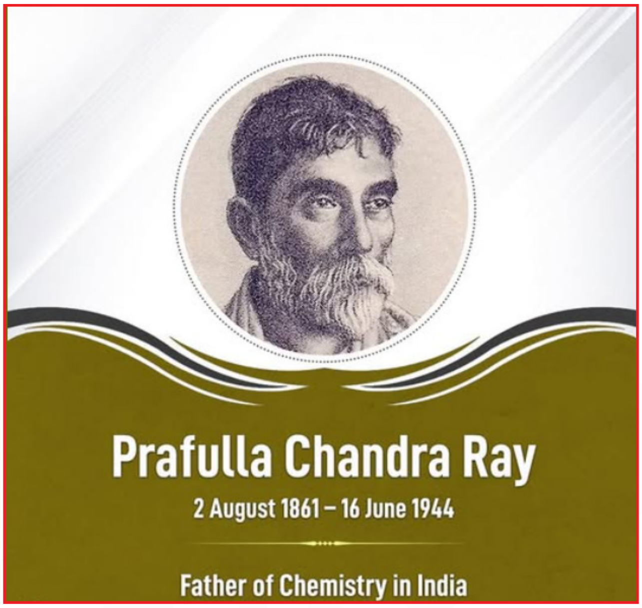

  - **प्रफुल्ल चंद्र राय (1861-1944)** एक प्रसिद्ध भारतीय **वैज्ञानिक और शिक्षक** थे तथा "आधुनिक" भारतीय रासायनिक शोधकर्त्ताओं में से एक थे। **इन्हें "भारतीय रसायन विज्ञान के जनक" के रूप** में जाना जाता है।
  - **मूल रूप से एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में प्रशिक्षित,** उन्होंने कई वर्षों तक कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और फिर कलकत्ता विश्वविद्यालय में काम किया।
- **कार्य:**
  - उन्होंने वर्ष 1895 में स्थिर यौगिक **मर्क्यूरस नाइट्राइट** (Mercurous Nitrite) की खोज की।
  - एक कट्टर राष्ट्रवादी राय बंगाली उद्यम को आगे बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध थे और उन्होंने **वर्ष 1901 में बंगाल केमिकल एंड फार्मास्युटिकल वर्क्स** की स्थापना की।
  - राय वर्ष **1905 के स्वदेशी आंदोलन** के सक्रिय समर्थक थे और वे विदेशी वस्तुओं के प्रयोग को भारत के विरुद्ध राजद्रोह मानते थे।
  - वह एक सच्चे तर्कवादी थे और पूरी तरह से जाति व्यवस्था व अन्य तर्कहीन सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ थे। उन्होंने अपनी मृत्यु तक समाज सुधार के इस कार्य को जारी रखा।
- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
  - ब्रिटिश सरकार द्वारा सम्मानित, उन्हें **भारतीय साम्राज्य का साथी (Companion of the Indian Empire- CIE)** की तथा उसके बाद वर्ष 1919 में नाइटहुड की उपाधि दी गई।
  - **वर्ष 1920 में उन्हें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया।**
  - **2 अगस्त, 1961** को उनकी जयंती मनाने के लिये **भारतीय डाक** द्वारा उन पर एक डाक टिकट जारी किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

यूएस ओपन 2025

चर्चा में क्यों?

18 अगस्त से 7 सितंबर, 2025 तक **न्यूयॉर्क** के **USTA बिली जीन किंग नेशनल टेनिस सेंटर** में आयोजित **यूएस ओपन 2025**, एकल और युगल श्रेणियों में महत्त्वपूर्ण जीत के साथ संपन्न हुआ।

इस टूर्नामेंट में प्रत्येक एकल विजेता के लिये **5 मिलियन डॉलर** की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि रखी गई थी, जो पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में समान थी।

मुख्य बिंदु

- **पुरुष एकल विजेता:** कार्लोस अल्काराज़ (स्पेन) ने जैनिक सिनर (इटली) को हराकर अपना दूसरा **अमेरिकी ओपन** और कुल मिलाकर छठा **ग्रैंड स्लैम** खिताब अर्जित किया।
- **महिला एकल विजेता:** आर्यना सबालेंका (बेलारूस) ने अमांडा अनिसिमोवा (अमेरिका) को हराकर अपना खिताब बरकरार रखा और **WTA रैंकिंग** में शीर्ष पर अपनी स्थिति सुदृढ़ की।
- **पुरुष युगल विजेता:** मार्सेल ग्रैनोलर्स (स्पेन) और होरासियो ज़ेबालोस (अर्जेंटीना) ने फाइनल में जो सैलिसबरी और नील स्कूप्स्की (यूनाइटेड किंगडम) को हराकर खिताब जीता।
- **महिला युगल विजेता:** गैब्रिएला डाब्रोव्स्की (कनाडा) और एरिन रूटलिफ़ (न्यूज़ीलैंड) ने कैटरीना सिनियाकोवा (चेक गणराज्य) तथा टेलर टाउनसेंड (USA) को हराया।
- **मिश्रित युगल विजेता:** सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी (इटली) ने इगा स्वीटेक (पोलैंड) तथा कैस्पर रूड (नॉर्वे) को हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

ग्रैंड स्लैम

- इसका अर्थ है कि एक ही कैलेंडर वर्ष में सभी चार प्रमुख टेनिस चैंपियनशिप जीतना: **ऑस्ट्रेलिया, फ्राँस, ब्रिटेन (विंबलडन) और अमेरिका।**
- यह उपलब्धि अब तक **5 अलग-अलग खिलाड़ियों द्वारा 6 बार** हासिल की गई है।
- **डॉन बज** टेनिस में ग्रैंड स्लैम हासिल करने वाले प्रथम खिलाड़ी थे, जिन्होंने वर्ष 1938 में सभी चार प्रमुख चैंपियनशिप जीती थीं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

8 सितंबर 2025 को, विश्व में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया, जिसमें **मानव प्रगति और परिवर्तन के सशक्त साधन** के रूप में पढ़ने तथा लिखने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य बिंदु

- **उत्पत्ति:**
  - अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की उत्पत्ति वर्ष **1965 में तेहरान (ईरान) में आयोजित 'शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन'** से मानी जाती है, जिसका मुख्य उद्देश्य निरक्षरता का उन्मूलन था।
  - इसी सम्मेलन से एक ऐसे दिवस की परिकल्पना की गई जो वैश्विक स्तर पर साक्षरता को बढ़ावा देने के लिये समर्पित हो।
  - यूनेस्को ने वर्ष **1966 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की घोषणा** की तथा इसे पहली बार **8 सितंबर** 1967 को मनाया गया। तब से यह प्रतिवर्ष मनाया जाता है, ताकि साक्षरता की परिवर्तनकारी क्षमता को वैश्विक स्तर पर रेखांकित किया जा सके।
- **विषय 2025: "डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना।"**
- **डिजिटल साक्षरता**
  - डिजिटल साक्षरता का आशय **ऑनलाइन सामग्री तक पहुँचने, उसका मूल्यांकन करने, सृजन एवं संप्रेषण करने की क्षमता** से है।
  - इसमें **आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking) विकसित करना, विश्वसनीय सूचना की पहचान करना तथा जटिल डिजिटल वातावरण में सुरक्षित रूप से मार्गदर्शन** करना शामिल है, जिससे यह आज एक आवश्यक कौशल बन गया है।
- **साक्षरता**
  - राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS) के अनुसार, साक्षरता का अर्थ किसी भी भाषा में साधारण संदेश को पढ़ने, लिखने और समझने की क्षमता से है।
  - **"सार्वभौमिक"** शब्द का तात्पर्य सामान्यत: पूर्ण या लगभग पूर्ण कवरेज से है, जो आमतौर पर 100% के निकट होता है।
  - यूनेस्को साक्षरता को केवल पढ़ने, लिखने और गिनने की क्षमता तक सीमित नहीं मानता, बल्कि इसे एक निरंतर विकसित होने वाला कौशल मानता है, जिसमें **पहचानना, समझना** तथा **संप्रेषण करना** शामिल है।
    - आधुनिक संदर्भ में यह डिजिटल, मीडिया तथा रोज़गार-विशेष कौशलों तक विस्तारित हो चुका है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **साक्षरता बढ़ाने हेतु सरकारी रणनीतियाँ:**
  - उल्लास ((समाज में सभी के लिये आजीवन शिक्षा को समझना)
  - राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020
  - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम
  - प्रौद्योगिकी संवर्द्धित अधिगम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPTEL)
  - **सर्व शिक्षा अभियान प्रज्ञाता**
  - राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (NLM)

ब्लड मून

चर्चा में क्यों?

8 सितंबर 2025 को **एशिया, ऑस्ट्रेलिया तथा अफ्रीका** के कुछ क्षेत्रों में ***ब्लड मून*** (पूर्ण चंद्र ग्रहण) देखा गया, जिसमें पृथ्वी की छाया ने चंद्रमा को गहरे लाल रंग में परिवर्तित कर दिया।

- यह मार्च 2025 के बाद वर्ष का दूसरा पूर्ण चंद्र ग्रहण था, जो 82 मिनट की पूर्णता के साथ पाँच घंटे से अधिक समय तक चला।
- सूर्य ग्रहण के विपरीत, चंद्र ग्रहण को नंगी आँखों से देखना सुरक्षित है।

मुख्य बिंदु

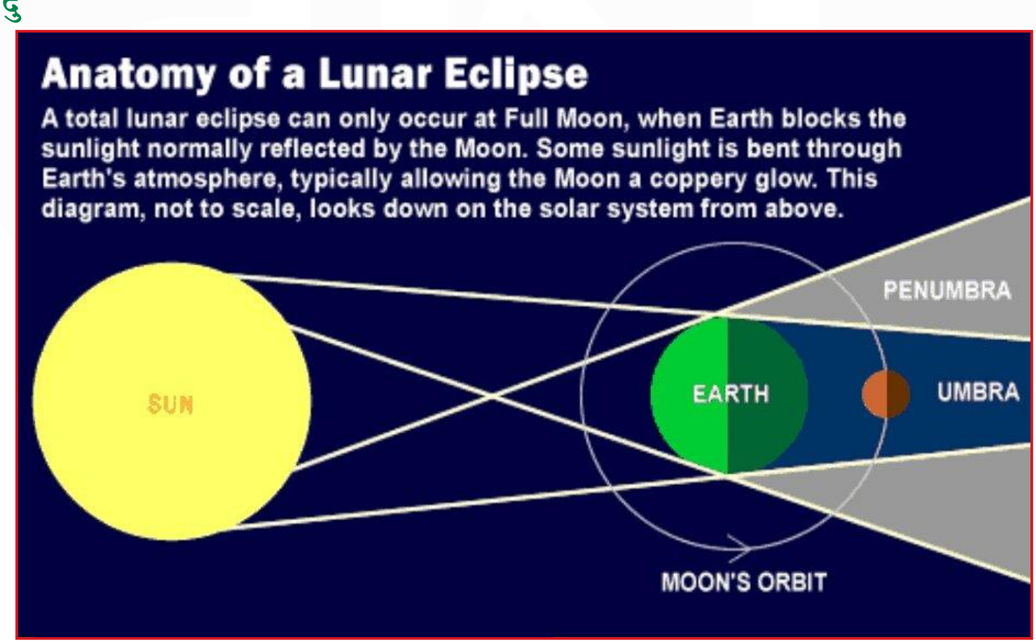

- **चंद्र ग्रहण:** चंद्र ग्रहण तब घटित होता है जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीधी रेखा में आ जाते हैं तथा पृथ्वी बीच में स्थित होती है। इससे सूर्य का प्रकाश सीधे चंद्रमा तक नहीं पहुँच पाता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पूर्ण चंद्र ग्रहण:** जब चंद्रमा पृथ्वी की आंतरिक और सबसे गहन छाया (*Umbra*) से होकर गुजरता है, तो वह गहरे धुंधले अथवा लाल रंग का प्रतीत होता है।
- **आंशिक ग्रहण:** जब चंद्रमा का केवल कुछ भाग **प्रतिछाया** से होकर गुजरता है।
- **अर्द्धछाया ग्रहण:** जब चंद्रमा केवल पृथ्वी की **बाहरी छाया (पेनम्ब्रा)** में प्रवेश करता है। इसमें प्रकाश का मंद पड़ना बहुत सूक्ष्म होता है और प्राय: स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता।

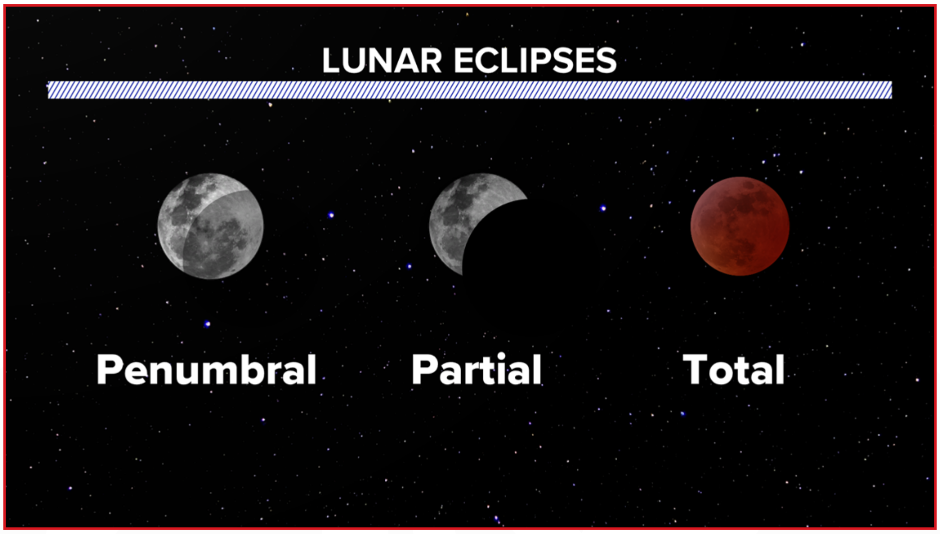

- **"ब्लड मून" प्रभाव:**
  - ब्लड मून प्रभाव इसलिये होता है क्योंकि पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य के प्रकाश को चंद्रमा तक पहुँचने से पहले ही अवरुद्ध कर देता है। जब प्रकाश वायुमंडल से होकर गुजरता है, तो
    - नीला प्रकाश सरलता से विसरित जाता है (इसी कारण आकाश नीला दिखाई देता है)।
    - लाल प्रकाश पृथ्वी के चारों ओर मुड़कर चंद्रमा तक पहुँचता है, जिससे पूर्ण ग्रहण के दौरान चंद्रमा लाल अथवा ताँबे के रंग का हो जाता है।
      - **चमकदार लाल चंद्रमा शुद्ध एवं कम प्रदूषित वायु का सूचक है।**
      - गहरा लाल चंद्रमा वायु में अधिक धूल, राख अथवा प्रदूषण की उपस्थिति को दर्शाता है।
- **वैज्ञानिक संबंध**
  - **ब्लड मून** की घटना के पीछे वही प्रक्रिया कार्य करती है, जो आकाश तथा सूर्यास्त को रंग प्रदान करती है: ***रेले प्रकीर्णन*** (*Rayleigh Scattering*), जिसकी व्याख्या भौतिक विज्ञानी *जॉन विलियम स्ट्रट, तृतीय बैरन रेले* ने की थी।
  - **दिवाकालीन आकाश:** कम तरंग दैर्ध्य वाली नीली रोशनी सभी दिशाओं में प्रकीर्णित हो जाती है, जिसके कारण आकाश नीला दिखाई देता है।
  - **सूर्योदय और सूर्यास्त:** इस समय सूर्य का प्रकाश वायुमंडल की मोटी परतों से होकर गुजरता है, जिससे नीला प्रकाश **प्रकीर्णित** होकर नष्ट हो जाता है। परिणामस्वरूप लंबी तरंग दैर्ध्य वाला प्रकाश (लाल, नारंगी और पीला) आकाश को रंग प्रदान करता है।
    - **चंद्र ग्रहण के समय,** चंद्रमा पृथ्वी के वायुमंडल से होकर गुज़रती सारी सूर्यास्त की किरणों में घिरा प्रतीत होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विश्व ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार के **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय** के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग (DEPwD) प्रत्येक वर्ष **7 सितंबर को *विश्व ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस*** मनाता है।

मुख्य बिंदु

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2024 से प्रत्येक **7 सितंबर को विश्व ड्युशेन जागरूकता दिवस** के रूप में नामित किया।
- इस दिवस का उद्देश्य प्रभावित व्यक्तियों एवं परिवारों के प्रति वैश्विक **एकजुटता, सहानुभूति और जागरूकता** को बढ़ावा देना है।
- **थीम:** वर्ष 2025 की थीम ***"परिवार: देखभाल का केंद्र"*** है।
  - यह थीम DMD प्रभावित व्यक्तियों के लिये परिवारों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देती है।
  - यह प्रेम, सहयोग और धैर्य के साथ-साथ समावेशन, जागरूकता एवं सामुदायिक सहयोग को भी रेखांकित करती है।

ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (DMD)

- DMD एक **दुर्लभ और प्रगतिशील** आनुवंशिक विकार है, जो ***एक्स गुणसूत्र*** में उत्परिवर्तन के कारण होता है। इसके चलते मांसपेशियों की रक्षा करने वाले प्रोटीन **डिस्ट्रोफिन** का उत्पादन नहीं हो पाता।
- इस रोग का नाम ***डॉ. ड्यूशेन डी बोलोग्ने*** के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1860 के दशक में इसका विस्तार से वर्णन किया था।
- यह मुख्यत: **पुरुषों को प्रभावित** करता है क्योंकि उनके पास केवल एक X गुणसूत्र होता है।
- **लक्षण:**
  - प्रारंभिक अवस्था में चलने-फिरने में कठिनाई।
  - धीरे-धीरे गतिशील क्रियाओं की शक्ति क्षीण होती जाती है।
  - समय के साथ श्वसन क्षमता प्रभावित होती है और हृदय (जो स्वयं एक मांसपेशी है) पर भी प्रभाव पड़ता है।
- **मस्तिष्क पर प्रभाव:** डिस्ट्रोफिन मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में भी भूमिका निभाता है, जिसके कारण प्रभावित बच्चों में **सीखने और व्यवहार संबंधी चुनौतियाँ** उत्पन्न हो सकती हैं।
- **निदान:** विश्व स्तर पर DMD का निदान प्राय: **4 वर्ष की आयु के बाद** होता है। हालाँकि, माता-पिता लक्षण पहले ही पहचान लेते हैं, लेकिन औसतन **2.5 वर्ष की देरी** से निदान होता है। कुछ लक्षण अत्यंत छोटे बच्चों में भी दिखाई देने लगते हैं।

ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा **ज्ञान भारतम पोर्टल** लॉन्च किया।

- यह एक समर्पित **डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म** है, जिसका उद्देश्य भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत के डिजिटलीकरण, संरक्षण और सार्वजनिक पहुँच को बढ़ावा देना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- **उद्देश्य:** सम्मेलन का उद्देश्य भारत की **पांडुलिपि विरासत** को पुनर्जीवित करना तथा उसे वैश्विक ज्ञान विमर्श के केंद्र में स्थापित करना था।
- **आयोजन अवधि:** यह तीन दिवसीय सम्मेलन 11 से 13 सितंबर, 2025 तक आयोजित हुआ, जिसका विषय था **"पांडुलिपि विरासत के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत को पुन: प्राप्त करना"**, जो **दिल्ली घोषणा-पत्र** को अपनाने के साथ संपन्न हुआ।
    - यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्वामी विवेकानंद के वर्ष 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिये गये ऐतिहासिक भाषण की 132वीं वर्षगाँठ के अवसर पर आयोजित हुआ।
- सम्मेलन में दुर्लभ पांडुलिपियों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई, साथ ही संरक्षण और डिजिटलीकरण पर विद्वानों की प्रस्तुतियाँ भी दी गईं।
- **मुख्य विषय:** कार्यकारी समूहों ने प्राचीन लिपियों की व्याख्या, सर्वेक्षण और दस्तावेज़ीकरण, डिजिटलीकरण उपकरण, संरक्षण तथा पुनर्स्थापन तथा कानूनी एवं **नैतिक मुद्दों** जैसे विषयों पर चर्चा की।

ज्ञान भारतम परियोजना

- ज्ञान भारतम मिशन के रूप में आरंभ की गई यह पहल, संस्कृति मंत्रालय के अधीन रहेगी तथा इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थापित होगा।
- **उद्देश्य:** एक ऐसे संस्थान की स्थापना करना, जो भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) की तरह कार्य करे, किंतु लक्ष्य **पांडुलिपियों के संरक्षण और व्याख्या** पर हो।
    - इसका उद्देश्य एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण करना तथा निर्बाध समन्वय के लिये सभी राज्यों में क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करना भी है।।
- **प्रतिस्थापन:** ज्ञान भारतम, वर्ष 2003 में शुरू किये गये **राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन** का स्थान लेगा, ताकि भारत में पांडुलिपि संरक्षण को संस्थागत और सतत ढाँचा प्रदान किया जा सके।
- **वित्तपोषण:** वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में घोषित इस परियोजना के लिये प्रारंभिक निधि **400 करोड़ रुपये** आवंटित की गई है।

IIM अहमदाबाद ने पहला विदेशी कैंपस खोला

चर्चा में क्यों?

दुबई के क्राउन प्रिंस **शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम** ने दुबई इंटरनेशनल एकेडमिक सिटी (DIAC) में भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (IIM-A) के पहले **विदेशी कैंपस** का उद्घाटन किया।

- एक अन्य पहल में, भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री **धर्मेंद्र प्रधान** ने **IIT दिल्ली अबू धाबी** में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (AIC) का उद्घाटन किया, जो किसी भारतीय संस्थान द्वारा आयोजित पहला विदेशी AIC है।

मुख्य बिंदु

- **कैंपस के बारे में:**
    - **IIM-A दुबई** कार्यरत पेशेवरों और उद्यमियों के लिये पूर्णकालिक **एक वर्षीय** MBA के साथ **सितंबर** के अंत तक अपनी शैक्षणिक गतिविधियाँ आरंभ कर देगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भारतीय संस्थानों जैसे **मणिपाल विश्वविद्यालय, सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय, BITS पिलानी और एमिटी विश्वविद्यालय,** जिन्होंने दुबई में अपने कैंपस स्थापित किये हैं के अधिकारियों के साथ एक **गोलमेज चर्चा** भी की तथा शोध को कागज़ों से उत्पादों तक ले जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।
- उन्होंने UAE में 109 भारतीय स्कूलों के प्रधानाचार्यों के साथ भी संवाद किया (अन्य वर्चुअली जुड़े) और घोषणा की कि 12 UAE स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब्स (ATLs) स्थापित की जाएंगी ताकि छात्रों में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके।

अटल इनोवेशन मिशन (AIM):

- यह भारत सरकार की पहल है, जिसका उद्देश्य नवाचार और उद्यमशीलता की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।
- AIM के मुख्य उद्देश्यों के तहत नए **अटल इनक्यूबेशन सेंटर (AICs)** स्थापित किये जाते हैं, जो नवोन्मेषी स्टार्ट-अप को विस्तार योग्य और **सतत् उद्यम** बनने में समर्थन देते हैं।
- **अटल टिंकरिंग लैब्स (ATLs)** स्कूलों में (कक्षा 6-12) छात्रों में **नवाचार को बढ़ावा देने** के लिये 3D प्रिंटिंग जैसे उपकरणों का उपयोग करती हैं।

विनोबा भावे जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारत के **आध्यात्मिक, सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में उनके अद्वितीय योगदान** को रेखांकित किया।

मुख्य बिंदु

- **आचार्य विनोबा भावे के बारे में:**

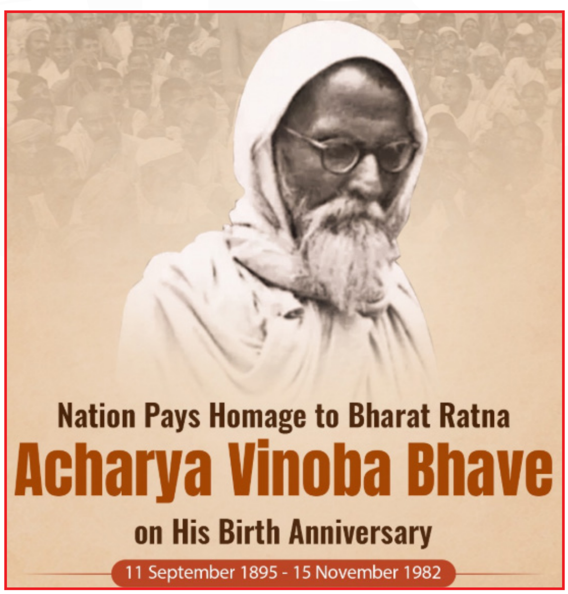

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- **विनायक नरहरि भावे** का जन्म 11 सितंबर, 1895 को गागोडे, बॉम्बे प्रेसीडेंसी (वर्तमान महाराष्ट्र) में हुआ था।
- वह एक **स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और आध्यात्मिक शिक्षक** थे, जो महात्मा गांधी के अहिंसा तथा समानता के सिद्धांतों से बहुत प्रभावित थे।

- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
  - विनोबा भावे वर्ष 1958 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय थे, जिन्हें यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिला।
  - उन्हें वर्ष 1983 में मरणोपरांत भारत रत्न (भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार) से भी सम्मानित किया गया था।
- **गांधी के साथ जुड़ाव:**
  - विनोबा भावे ने 7 जून, 1916 को गांधी से मुलाकात की और आश्रम में निवास किया।
  - आश्रम के एक सदस्य मामा फड़के ने उन्हें विनोबा (एक पारंपरिक मराठी विशेषण जो महान सम्मान का प्रतीक है) नाम दिया था।
  - 8 अप्रैल, 1921 को विनोबा भावे, गांधी के निर्देशों के तहत वर्धा में एक **गांधी-आश्रम का प्रभार** लेने के लिये गए।
    - वर्धा में अपने प्रवास के दौरान वर्ष 1923 में उन्होंने मराठी में एक मासिक '**महाराष्ट्र धर्म**' का प्रकाशन किया, जिसमें उपनिषदों पर उनके निबंध प्रकाशित किये गए थे।
- **स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:**
  - उन्होंने **असहयोग आंदोलन** के कार्यक्रमों में भाग लिया और विशेष रूप से आयातित विदेशी वस्तुओं के स्थान पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का आह्वान किया।
  - वर्ष 1940 में उन्हें भारत में गांधीजी द्वारा ब्रिटिश राज के खिलाफ **पहले व्यक्तिगत सत्याग्रही** (सामूहिक कार्रवाई के बजाय सत्य के लिये खड़े होने वाले व्यक्ति) के रूप में चुना गया था।
  - उन्हें आचार्य (शिक्षक) की सम्मानित उपाधि दी गई थी।
- **भूदान आंदोलन:**
  - वर्ष 1951 में विनोबा भावे ने तेलंगाना के हिंसाग्रस्त क्षेत्र से पैदल अपनी शांति यात्रा शुरू की।
  - वर्ष 1951 में **तेलंगाना के पोचमपल्ली (Pochampalli) गाँव के** हरिजनों ने उनसे जीविकोपार्जन के लिये लगभग 80 एकड़ भूमि प्रदान कराने का अनुरोध किया।
  - विनोबा ने गाँव के **जमींदारों को आगे आने और हरिजनों को संरक्षित करने के लिये कहा।**
    - उसके बाद एक ज़मींदार ने आगे बढ़कर आवश्यक भूमि प्रदान करने की पेशकश की।
    - यह भूदान (भूमि का उपहार) आंदोलन की शुरुआत थी।
  - यह आंदोलन 13 वर्षों तक जारी रहा और इस दौरान विनोबा भावे ने देश के विभिन्न हिस्सों (कुल 58,741 किलोमीटर की दूरी) का भ्रमण किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वह लगभग **44 लाख एकड़ भूमि** एकत्र करने में सफल रहे, जिसमें से लगभग **13 लाख एकड़** भूमि को गरीब, भूमिहीन किसानों के बीच वितरित किया गया।

- **साहित्यक रचना:**
  - उनकी महत्त्वपूर्ण पुस्तकों में **स्वराज्य शास्त्र, गीता प्रवचन और तीसरी शक्ति** आदि शामिल हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री **श्री प्रल्हाद जोशी** ने **नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE)** द्वारा आयोजित **प्रथम वार्षिक** ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
  - **यह सम्मेलन** 11 से 12 सितंबर, 2025 को **नई दिल्ली** में आयोजित किया गया, जिसमें **विशेषज्ञ सत्र, इंटरैक्टिव गोलमेज बैठकें** और भारत की हरित ऊर्जा क्रांति को आगे बढ़ाने वाली **25 अग्रणी कंपनियों** के साथ एक **स्टार्ट-अप एक्सपो** शामिल था।
  - इस कार्यक्रम में **25** स्टार्ट-अप्स ने **इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण**, AI-संचालित अनुकूलन और **जैविक हाइड्रोजन समाधान** के क्षेत्र में अपनी सफलताओं का प्रदर्शन किया।
    - **हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों** में नवाचार को बढ़ावा देने वाले स्टार्ट-अप्स का समर्थन करने के लिये 100 **करोड़ रुपये के प्रस्ताव आमंत्रण (Call for Proposals)** भी जारी किये गए।
  - इस योजना के तहत प्रत्येक परियोजना को **5 करोड़ रुपये तक** की राशि प्रदान की जाएगी, जो हाइड्रोजन के **उत्पादन, भंडारण, परिवहन और उपयोग** से संबंधित पायलट पहल के लिये प्रयोग की जा सकेगी।

भारत का ग्रीन हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र

- **बंदरगाह:** तमिलनाडु के **वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह** पर भारत की पहली बंदरगाह-आधारित पायलट परियोजना।
- **इस्पात: हाइड्रोजन-चालित डीकार्बोनाइजेशन** को प्रदर्शित करने वाली **पाँच पायलट परियोजनाएँ**।
- **शिपिंग: तूतीकोरिन बंदरगाह** पर **रेट्रोफिटेड जहाज** और **ईंधन भरने की सुविधाएँ**।
- **परिवहन: हाइड्रोजन बसें** और **ईंधन भरने वाले स्टेशन** कार्यरत हैं।
- **उर्वरक:** पहली बार **हरित अमोनिया नीलामी** में **रिकॉर्ड निम्न मूल्य** का खुलासा हुआ, जिसकी आपूर्ति **ओडिशा के पारादीप फॉस्फेट्स** से शुरू हुई।
- **हाइड्रोजन हब: कांडला, पारादीप और तूतीकोरिन बंदरगाहों** पर **समर्पित हाइड्रोजन हब** का विकास किया जा रहा है।
- **मिशन:** राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (NGHM) **वर्ष** 2023 में **19,744 करोड़** रुपये के **परिव्यय** के साथ शुरू किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (National Green Hydrogen Mission-NGHM)

नोडल मंत्रालय

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

NGHM के घटक

- **ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन प्रोग्राम के लिये रणनीतिक क्रियाकलाप (SIGHT)**
- रणनीतिक हाइड्रोजन नवाचार भागीदारी (SHIP) (अनुसंधान एवं विकास के लिये सार्वजनिक-निजी भागीदारी)

GH2 वर्तमान में व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य नहीं है; भारत में वर्तमान लागत लगभग 350-400/किग्रा है।
राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन का लक्ष्य इसे 100/किग्रा के नीचे लाना है।

उद्देश्य

- ऊर्जा/उद्योग/मोबिलिटी क्षेत्र को डीकार्बोनाइज (कार्बन मुक्त) करना
- स्वदेशी निर्माण क्षमता विकसित करना
- GH2 और इसके व्युत्पन्नों के लिये निर्यात के अवसर सृजित करना

वर्ष 2030 तक अपेक्षित परिणाम

- प्रति वर्ष कम-से-कम 5 MMT (मिलियन मीट्रिक टन) हरित हाइड्रोजन (GH2) का उत्पादन
- जीवाश्म ईंधन के आयात में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत
- छह लाख से अधिक रोजगार
- वार्षिक CO2 उत्सर्जन में लगभग 50 MMT की कमी
- ₹ 8 लाख करोड़ से अधिक का कुल निवेश

हाइड्रोजन तथा हरित हाइड्रोजन

- हाइड्रोजन प्रकृति में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्त्व है लेकिन यह अन्य तत्त्वों के साथ संयोजन में ही मौजूद होता है। इसे प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले यौगिकों (जैसे जल) से अलग किया जाता है।
- अक्षय/नवीकरणीय ऊर्जा (RE) द्वारा संचालित विद्युत अपघटनी/इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग करके इलेक्ट्रोलिसिस/विद्युत अपघटन नामक विद्युत प्रक्रिया के माध्यम से जल के विभाजन द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन (GH2) बनाया जाता है।

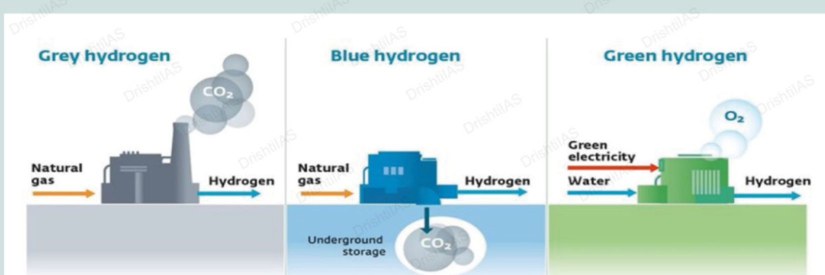

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों ?

लिवरपूल में आयोजित महिला विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप 2025 में भारतीय मुक्केबाज़ **जैस्मीन लंबोरिया** ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता **जूलिया जेरेमेटा** को हराकर **फेदरवेट (57 किग्रा)** का **खिताब** हासिल किया।

- उनके साथ, **मीनाक्षी हुड्डा** ने भी 48 किग्रा में **स्वर्ण पदक** जीता, जो विदेश में आयोजित **विश्व चैंपियनशिप** में भारत का अब तक का **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन** है।

मुख्य बिंदु

- **जैस्मीन लंबोरिया:**
  - उन्होंने अपने तीसरे विश्व चैंपियनशिप में पोलैंड की **जूलिया सेरेमेटा** को 4-1 से हराकर अपना **पहला पदक** जीता है और विश्व खिताब जीतने वाली वह **नौवीं भारतीय मुक्केबाज़** बन गईं हैं।
  - वह छह बार की विजेता **मैरी कॉम** (वर्ष 2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता **निखत ज़रीन** (2022 और 2023), **सरिता देवी** (2006), **जेनी आरएल** (2006), **लेखा केसी** (2006), **नितु घनघास** (2023), **लवलीना बोर्गोहेन** (2023) और **स्वीटी बूड़ा** (2023) की प्रतिष्ठित सूची में शामिल हो गईं।
  - उन्होंने पैरिस ओलंपिक (2024) में पहले दौर से बाहर होने के निराशा को पीछे छोड़ते हुए यह सफलता प्राप्त की।
  - इससे पूर्व, उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप (2021) में **कांस्य पदक**, राष्ट्रमंडल खेलों (2022) में **पदक** और **वर्ल्ड कप 2024, अस्ताना में स्वर्ण पदक** जीता था।
- **मीनाक्षी हुड्डा की जीत:**
  - मीनाक्षी ने जुलाई, 2025 में हुई अपनी अस्ताना वर्ल्ड कप हार का बदला लेते हुए महिला 48 किग्रा फाइनल (गैर-ओलंपिक श्रेणी) में **स्वर्ण पदक जीता**।
  - उन्होंने कज़ाखस्तान की तीन बार की विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक की **कांस्य पदक** विजेता **नाज़िम काइज़ेबे** को हराया।
    - उन्होंने इससे पहले वर्ष 2022 में 52 किग्रा में **एशियाई रजत पदक जीता** था।
- **अन्य पदक विजेता:**
  - **नूपुर श्योराण (+80 किग्रा):** पोलैंड की **अगाता काकज़मरस्का** को मात्र 2-3 के अंतर से हारकर **रजत पदक जीता**।
  - **पूजा रानी (80 किग्रा):** सेमीफाइनल में इंग्लैंड की **एमिली एस्क्विथ** को हराकर **कांस्य पदक जीता** ।
- **महत्त्व:** भारत ने विश्व चैंपियनशिप में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें दो स्वर्ण, एक रजत और एक **कांस्य** पदक जीतकर महिला मुक्केबाज़ी में अपनी स्थिति को तथा **सुदृढ़** किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

महिला हॉकी एशिया कप 2025

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री ने **महिला एशिया कप 2025** में **उत्कृष्ट प्रदर्शन** के लिये भारतीय महिला हॉकी टीम को **बधाई** दी, जिन्होंने **रजत पदक** जीतकर देश का मान बढ़ाया।

मुख्य बिंदु

- **महिला एशिया कप के विषय में:**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- चीन की महिला हॉकी टीम ने हांग्जो में आयोजित **एशिया कप 2025** के फाइनल में भारत को 4-1 से हराकर जीत हासिल की।
  - इस जीत के साथ, चीन ने **बेल्जियम** और **नीदरलैंड** में आयोजित होने वाले **हॉकी विश्व कप 2026** के लिये क्वालीफाई कर लिया।
- यह चीन का तीसरा **एशिया कप खिताब** है; इससे पहले वह वर्ष 1989 (हॉन्गकॉन्ग) और वर्ष 2009 (बैंकॉक) में विजेता रह चुका है।
- **इस एशिया कप में भारत** ने **रजत पदक** तथा **जापान** ने **कांस्य पदक** जीता।
- हालाँकि भारत को अब **हॉकी विश्व कप 2026** में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिये **विश्व कप क्वालीफायर** से गुज़रना होगा।
- **भारत का पूर्व प्रदर्शन:**
  - **टोक्यो ओलंपिक 2020:** चौथे स्थान पर समापन।
  - **पेरिस ओलंपिक 2024:** अर्हता प्राप्त करने में असफल।
  - **प्रो लीग:** संघर्षपूर्ण प्रदर्शन, अंतिम स्थान पर रहकर निम्न रैंक मिली।
  - **एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024:** विजेता

राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन– रबी अभियान 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा पूसा, नई दिल्ली में दो दिवसीय '**राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन– रबी अभियान 2025**' का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
  - यह पहली बार है जब केंद्रीय कृषि मंत्री **शिवराज सिंह चौहान** की पहल पर रबी सम्मेलन दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा है।
  - **थीम:** सम्मेलन की थीम '**वन नेशन – वन एग्रीकल्चर – वन टीम**' है, जिसका उद्देश्य भारत के कृषि क्षेत्र में **समन्वित प्रयासों और साझेदारियों** को बढ़ावा देना है।
- **उद्देश्य:**
  - सम्मेलन का मुख्य लक्ष्य रबी सीज़न 2025-26 के लिये **तैयारियों, उत्पादन लक्ष्यों और रणनीतियों** पर विचार-विमर्श करना है, ताकि आगामी कृषि सीज़न के लिये व्यापक योजना सुनिश्चित हो सके।
  - भारत की कृषि वृद्धि दर वर्तमान में **3.7%** है, जो वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक है। इसका श्रेय **किसानों, वैज्ञानिकों और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों** के संयुक्त प्रयासों को दिया जाता है।
- **लक्षित क्षेत्र:**
  - कृषि विस्तार कार्य के महत्त्व पर ज़ोर दिया जाएगा तथा ज़मीनी स्तर की **रणनीतियों में सुधार** के लिये केंद्र सरकार, राज्य कृषि विभागों, कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य संबंधित संस्थानों द्वारा **संयुक्त कार्यक्रमों** का आह्वान किया जाएगा।
  - मंत्री ने **नकली उर्वरक, बीज और कीटनाशक** बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा किसानों के हितों की रक्षा हेतु केवल मानक **जैव-उत्तेजक उत्पाद** की बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मौसम पूर्वानुमान और फसल बीमा:**
  - मौसम की संरचना में बढ़ती अनिश्चितता को देखते हुए फसल बीमा कवरेज का विस्तार किया जाना आवश्यक है, विशेषकर किसानों को राहत सुनिश्चित करने के लिये **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना** पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिये।
- **भावी कृषि अनुसंधान:**
  - भविष्य के कृषि अनुसंधान का ध्यान किसानों की वास्तविक समस्याओं को हल करने पर होना चाहिये, न कि केवल सैद्धांतिक शोधपत्र प्रकाशित करने पर।
  - खेती की चुनौतियों का समाधान करने के लिये अक्तूबर 2025 में '**विकसित कृषि संकल्प अभियान**' चलाया जाएगा।

31वाँ विश्व ओज़ोन दिवस

चर्चा में क्यों ?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) **ने** 16 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में 31वें विश्व ओज़ोन दिवस का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

- **विश्व ओज़ोन दिवस के बारे में:**
  - **यह दिवस प्रत्येक वर्ष 16 सितंबर** को मनाया जाता है। यह **वर्ष 1987 में** **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पर **हस्ताक्षर** करने का स्मृति दिवस है, जो एक महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संधि है और इसका उद्देश्य **ओज़ोन क्षयकारी पदार्थों (ODS)** के उत्पादन एवं उपभोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।
  - वर्ष 2025 का विषय, '**विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक**' (From Science to Global Action), पृथ्वी और उसके भविष्य की रक्षा के लिये नीति निर्माण तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में वैज्ञानिक खोज की शक्ति पर ज़ोर देता है।

ओज़ोन

- पृथ्वी की सतह से 10–40 किमी. ऊँचाई पर समतापमंडल (stratosphere) में स्थित **ओज़ोन परत** हमें हानिकारक **UV विकिरण** से बचाती है।
- इस सुरक्षात्मक परत को **स्ट्रैटोस्फेरिक ओज़ोन या अच्छा ओज़ोन** कहा जाता है। यह **नेत्र रोग (मोतियाबिंद)**, त्वचा कैंसर जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से बचाती है और **कृषि, वानिकी तथा समुद्री जीवन** की सुरक्षा करती है।
  - हालाँकि, मानव निर्मित ओज़ोन क्षयकारी पदार्थों समताप मंडल में ओज़ोन का क्षरण कर रहे हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने कार्रवाई की आवश्यकता को पहचानते हुए वर्ष 1985 में **वियना कन्वेंशन** और वर्ष 1987 में **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पारित किये।
- हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs) को **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** में शामिल करने से किगाली समझौता हुआ, जिसे भारत ने सितंबर 2021 में अनुमोदित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

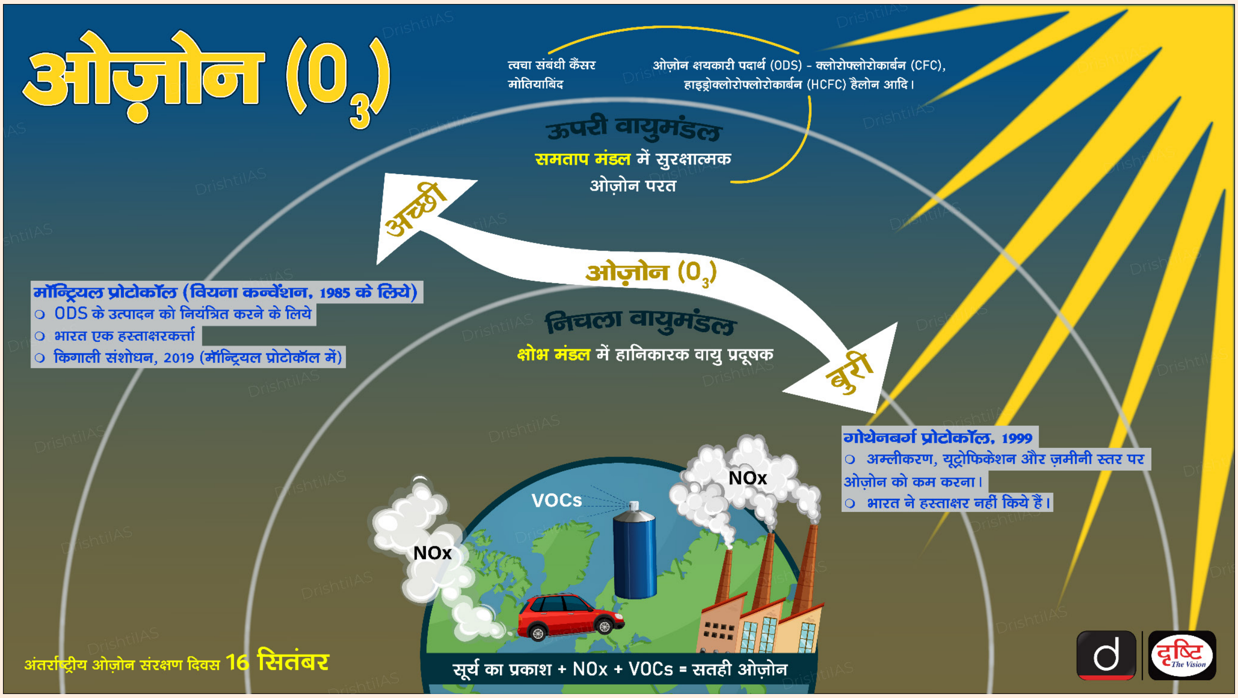

क्षोभमंडलीय ओज़ोन

- क्षोभमंडलीय या **जमीनी स्तर का ओज़ोन**, जिसे खराब ओज़ोन भी कहा जाता है, एक अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक है, जो वायुमंडल में केवल कुछ घंटों से लेकर कुछ सप्ताह तक ही रहता है।
- इसका कोई प्रत्यक्ष उत्सर्जन स्रोत नहीं है, बल्कि यह एक यौगिक है जो **वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (Volatile Organic Compounds- VOC)** के साथ सूर्य के प्रकाश और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOX), जो बड़े पैमाने पर मानव गतिविधियों के कारण उत्सर्जित होते हैं, की परस्पर क्रिया से बनता है, इसमें **मीथेन** भी शामिल है।

वैशाली रमेशबाबू ने FIDE महिला ग्रैंड स्विस जीता

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **उज़्बेकिस्तान** के समरकंद में आयोजित FIDE महिला ग्रैंड स्विस 2025 में उल्लेखनीय जीत पर भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू को बधाई दी।

मुख्य बिंदु

- **वैशाली रमेशबाबू** ने 40,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि जीती और **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026** में स्थान सुरक्षित किया, जो आगामी महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप के लिये अगले दावेदार का निर्धारण करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वैशाली **इस इवेंट को दो बार जीतने वाली पहली खिलाड़ी** बन गई हैं।
- इस उपलब्धि के साथ वैशाली **कोनेरु हंपी** और **दिव्या देशमुख** के साथ तीसरी भारतीय महिला बनीं जिन्होंने **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026** के लिये क्वालीफाई किया।
- **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट** वर्तमान **महिला विश्व शतरंज चैंपियन चीन की वेनजुन जू** के लिये दावेदार का निर्धारण करेगा, जिसमें चीन, रूस और भारत की खिलाड़ी पहले ही स्थान सुरक्षित कर चुकी हैं।
- अपने पूर्व प्रदर्शन में, वैशाली ने **मई 2025 में नॉर्वे महिला शतरंज टूर्नामेंट** में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया था किंतु **महिला विश्व कप** में क्वार्टर फाइनल में **टैन झोंगयी** से पराजित हो गई थीं।

FIDE ग्रैंड स्विस

- **FIDE ग्रैंड स्विस**, जिसकी शुरुआत **वर्ष 2019** में हुई (महिला आयोजन 2021 से प्रारंभ हुआ), विश्व शतरंज चैंपियनशिप चक्र का एक प्रमुख टूर्नामेंट है।
- यह टूर्नामेंट **स्विस प्रणाली पर आधारित 11 राउंड के साथ द्विवार्षिक रूप से आयोजित** किया जाता है और इसमें शीर्ष वैश्विक खिलाड़ी भाग लेते हैं। इसे शतरंज की सबसे कठिन तथा अप्रत्याशित प्रतियोगिताओं में से एक माना जाता है।
- इसकी खुली प्रकृति के कारण, दोनों श्रेणियों में शीर्ष दो स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी सीधे **विश्व कैंडिडेट्स टूर्नामेंट** के लिये अर्हता प्राप्त करते हैं, जहाँ **विश्व चैंपियन के खिताब के लिये एक दावेदार का चयन किया जाता है।**
- वर्ष 2025 का संस्करण **उज़्बेकिस्तान** के **समरकंद एक्सपो सेंटर** में 4 से 15 सितंबर तक आयोजित किया गया।
  - इसमें ओपन वर्ग में 116 खिलाड़ियों ने तथा महिला वर्ग में 56 खिलाड़ियों ने भाग लिया।
- इस प्रतियोगिता की कुल **पुरस्कार राशि 8,55,000 अमेरिकी डॉलर** थी, जिसमें ओपन वर्ग के लिये 6,25,000 अमेरिकी डॉलर और महिला वर्ग के लिये 2,30,000 अमेरिकी डॉलर निर्धारित थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

आनंदकुमार वेलकुमार ने स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में सीनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट में **स्वर्ण पदक** जीतकर **भारत के पहले विश्व चैंपियन बनने का गौरव** प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- **स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप** 13 से 21 सितंबर, 2025 तक **चीन के बेइदाईहे (Beidaihe)** में आयोजित की जा रही है , जहाँ आनंदकुमार वेलकुमार ने 1:24.924 के समय के साथ **स्वर्ण पदक जीता।**
- **अतिरिक्त पदक:** वेलकुमार ने 500 मीटर स्प्रिंट स्पर्द्धा में भी कांस्य पदक जीता, जो स्पीड स्केटिंग में भारत का पहला सीनियर विश्व चैंपियनशिप पदक था।
- **जूनियर प्रतियोगिता में सफलता:** इस चैंपियनशिप में **जूनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट** में कृष शर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत के शानदार प्रदर्शन में योगदान दिया।

स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप

- वर्ष 1891 से ***आईएसयू (ISU) स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप*** इस खेल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता रही है, जो एकल दूरी, ऑलराउंड एवं स्प्रिंट प्रारूपों के बीच बारी-बारी से आयोजित होती रही है।
- **एकल दूरी प्रारूप (वर्ष 1996 में शुरू):** यह प्रारूप ओलंपिक वर्ष से पहले और बाद के वर्षों में आयोजित होता है। इसमें खिलाड़ी **16 विश्व खिताबों के लिये प्रतिस्पर्द्धा** करते हैं।
  - इसमें पुरुषों की 500 मीटर, 1000 मीटर, 1500 मीटर, 5000 मीटर और 10,000 मीटर, महिलाओं की 500 मीटर, 1000 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर तथा 5000 मीटर प्रतियोगिताएँ शामिल हैं, साथ ही ***मास स्टार्ट, टीम पर्स्यूट*** **एवं** ***टीम स्प्रिंट*** **प्रतियोगिताएँ** भी होती हैं।
- **ऑलराउंड प्रारूप:** यह स्पीड स्केटिंग परंपरा का एक आधार है, जिसमें **पुरुष 1891 से और महिलाएँ** 1936 से भाग ले रही हैं।
- **स्प्रिंट प्रारूप (1970 से):** इस चैंपियन प्रतियोगिता में गति और सटीकता का परीक्षण किया जाता है।
  - इसमें खिलाड़ी 500 मीटर और 1000 मीटर की दौड़ दो-दो बार करते हैं तथा उनके **संयुक्त परिणाम के आधार पर** चैंपियन घोषित किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों ?

चैंपियन **नीरज चोपड़ा** को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में वे आठवें स्थान पर रहे। जबकि उनके सहकर्मी **सचिन यादव ने अपना सर्वश्रेष्ठ** प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- **पदक और परिणाम:** **स्वर्ण पदक** त्रिनिदाद और टोबैगो के **केशोर्न वाल्कोट** (88.16 मीटर) ने जीता, जबकि ग्रेनेडा के **एंडरसन पीटर्स** ने **रजत** (87.38 मीटर) तथा अमेरिका के **कर्टिस थॉम्पसन** ने **कांस्य** (86.67 मीटर) जीता।
- **नीरज चोपड़ा का संघर्ष:** वर्षों से अपनी **निरंतरता** के बावजूद, वह **85 मीटर** का आँकड़ा पार करने में असफल रहे और 84.03 मीटर के **थ्रो** के साथ वे **आठवें स्थान** पर रहे।
- यह वर्ष 2018 के बाद से उनकी **पहली प्रतियोगिता** है, जहाँ वह **शीर्ष तीन** से बाहर रहे। जबकि टोक्यो ओलंपिक 2021 में ऐतिहासिक जीत के बाद उनका **लगातार पोडियम** प्रदर्शन रहा है।
- **सचिन यादव का प्रदर्शन:** उत्तर प्रदेश के **खेकड़ा गाँव** के रहने वाले **सचिन यादव** ने 86.27 मीटर की **व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो** फेंककर न केवल **नीरज चोपड़ा** को पीछे छोड़ा, बल्कि **जूलियन वेबर** और **अरशद नदीम** जैसे उल्लेखनीय **प्रतियोगियों** को भी पीछे छोड़ दिया।
- सचिन का यह प्रदर्शन उनकी **क्षमता** और **स्थिर खेल शैली** को दर्शाता है, जो उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने के बाद से लगातार प्रदर्शित की है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025

- **स्थान:** विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 **सितंबर, 2025** तक टोक्यो, जापान में आयोजित की जा रही है, जिसमें नौ दिनों तक प्रतिस्पर्द्धा होंगी।
- **आयोजन अवलोकन:** यह विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का **20वाँ संस्करण** है, जिसमें लगभग **200 देशों** के **2,000 से अधिक एथलीट** भाग ले रहे हैं।
- कुल **49 प्रतियोगिताएँ** होंगी, जिनमें **147 पदक** हैं। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिये **24 प्रतियोगिताएँ** होंगी, साथ ही एक **मिश्रित प्रतियोगिता भी शामिल है**।

सरदार वल्लभभाई पटेल का AI संचालित होलोबॉक्स

चर्चा में क्यों ?

दिल्ली में स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय, जो अपनी तरह का विश्व का एकमात्र संग्रहालय है, ने 17 सितम्बर, 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल के **AI संचालित होलोबॉक्स** का अनावरण किया।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - दर्शकों ने AI-संचालित **होलोबॉक्स 3D अवतार** के साथ संवाद किया, जिसमें उन्होंने **सरदार वल्लभभाई पटेल** के जीवन और **भारत के इतिहास में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान** से संबंधित प्रश्न पूछ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह अवतार उनके स्वर में उत्तर देता है, जो **उनके भाषणों, पुस्तकों और अभिलेखीय स्रोतों** पर आधारित होते हैं, जिससे एक प्रामाणिक शैक्षिक अनुभव प्राप्त होता है।
- अवतार द्वारा दिये गए उत्तर उनकी विचारधारा और जीवन की प्रमुख घटनाओं को प्रतिबिंबित करते हैं।

- **उद्देश्य:**
  - इस पहल का उद्देश्य **ऐतिहासिक जुड़ाव में प्रौद्योगिकी का एकीकरण** कर वैश्विक मानक स्थापित करना है। इसका विशेष लक्ष्य **युवा पीढ़ी को आकर्षित करना** और इतिहास को अधिक **सुगम व रोचक** बनाना है।
- **भविष्य की योजनाएँ:**
  - पटेल के AI अवतार की सफलता के पश्चात, प्रधानमंत्री संग्रहालय **डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** के लिये एक ***पूर्णाकृति* होलोबॉक्स** शुरू करने की योजना बना रहा है।
  - इससे भारत के महान नेताओं के ज्ञान को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता और भी **सशक्त** होगी।
- **ऐतिहासिक महत्त्व**
  - 17 सितंबर का दोहरा महत्त्व है; एक ओर यह 1948 में ***ऑपरेशन पोलो*** की सफलता का प्रतीक है, जब सरदार पटेल के नेतृत्व में **हैदराबाद का भारत में विलय** हुआ। दूसरी ओर, यही दिन वर्ष 1950 में जन्मे **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस** भी है, जिनकी *'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'* की दृष्टि, पटेल की **राष्ट्रीय एकता** की विरासत को साकार करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

- AI-संचालित होलोबॉक्स एक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) को होलोग्राफिक डिस्प्ले के साथ एकीकृत करती है।
- यह इंटरैक्टिव और सजीव 3D छवियाँ व अवतार तैयार करती है, जिनसे दर्शक स्वाभाविक रूप से वॉयस कमांड, हावभाव और भावनात्मक संकेतों के माध्यम से संवाद कर सकते हैं।

भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026

चर्चा में क्यों ?

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने भारत-AI इम्पैक्ट समिट 2026 की पहल तथा लोगो (Logo) का अनावरण किया है, जिसका आयोजन भारत में किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **समिट के बारे में:**
  - यह समिट 19 से 20 फरवरी 2026 को भारत मंडपम, **नई दिल्ली** में आयोजित किया जाएगा और इसमें **वैश्विक नेता, नीति-निर्माता, शोधकर्त्ता तथा नवप्रवर्तक** शामिल होंगे।
  - यह **समिट**, जो किसी ग्लोबल साउथ देश द्वारा **आयोजित किया जाने वाला पहला समिट है,** मानव, ग्रह और प्रगति पर केंद्रित होगा।
  - AI की परिवर्तनकारी क्षमता पर ध्यान देते हुए, समिट में **सात विषयगत चक्रों** के माध्यम से वैश्विक AI चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की जाएगी।
- **आधिकारिक लोगो और मुख्य प्रतीक:**
  - समिट का **आधिकारिक लोगो** अशोक चक्र से प्रेरित है, जो भारत के नैतिक शासन और संवैधानिक मूल्यों का प्रतीक है।
  - इस मुख्य प्रतीक से **न्यूरल नेटवर्क की किरणें** बाहर की ओर फैलती हैं, जो **उद्योगों, भाषाओं और क्षेत्रों** में AI के परिवर्तनकारी प्रभाव का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो विभाजन को पाटने तथा समावेशी प्रगति को बढ़ावा **देने में मदद करती हैं।**
- **प्रमुख पहलें:**
  - **AI पिच फेस्ट (UDAAN):**
    - यह **वैश्विक AI** स्टार्टअप्स को प्रदर्शित करने के लिये एक मंच है, जिसमें भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों के उद्यमों पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा, जिनमें **महिलाओं** तथा **दिव्यांग परिवर्तनकर्त्ताओं द्वारा संचालित उद्यम भी शामिल होंगे**।
  - **IndiaAI डेटा और AI लैब्स:**
    - 30 **IndiaAI डेटा और AI लैब्स** लॉन्च की जा चुकी हैं, जो 570-लैब नेटवर्क के प्रारंभिक चरण का प्रतीक हैं।
    - ये लैब्स **फ्यूचर स्किल्स पहल** के अंतर्गत आधारभूत AI और डेटा प्रशिक्षण प्रदान करेंगी, विशेष रूप से टियर 2 तथा टियर 3 **शहरों** में AI एवं डेटा एनोटेशन में **कौशल विकास** पर केंद्रित होंगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **IndiaAI फेलोशिप प्रोग्राम:**
  - **इस प्रोग्राम** का विस्तार कर 13,500 **विद्यार्थियों** को समर्थन देने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें **इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कानून, वाणिज्य और लिबरल आर्ट्स** जैसे विविध **विषयों** के छात्रों पर विशेष ज़ोर दिया गया है।

मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

23 सितंबर 2025 को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा मलयालम अभिनेता **मोहनलाल** को 71वें **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार** समारोह के दौरान वर्ष 2023 का प्रतिष्ठित **दादा साहब फाल्के पुरस्कार** प्रदान किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **मोहनलाल के बारे में:**

  - 21 मई 1960 को पथानमथिट्टा में जन्मे **मोहनलाल** ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत **थिरानोट्टम** (**1978**) से की तथा **मंज़िल विरिंजा पुक्कल** (**1980**) में खलनायक के रूप में पदार्पण किया।
  - वर्ष 1986 में, **राजाविंते मकान** में उनकी भूमिका ने उन्हें **मलयालम सिनेमा** के पहले आधुनिक **सुपरस्टार** के रूप में स्थापित कर दिया।
  - 45 से अधिक वर्षों और 400 से अधिक फिल्मों के साथ, मोहनलाल **मॉलीवुड** (Mollywood) में एक प्रमुख व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने **थनमथरा, इरुवर, दृश्यम** और **लूसिफ़र** जैसी उल्लेखनीय फिल्मों में अभिनय किया है।
  - उन्हे वर्ष 1991 में **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता** के लिये **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार** मिला और वर्ष 2001 में **पद्म श्री** तथा वर्ष 2019 में **पद्म भूषण** से सम्मानित किया गया।
- **दादा साहब फाल्के पुरस्कार:**
  - यह **देश का सर्वोच्च फिल्म सम्मान है जिसकी शुरुआत वर्ष** 1969 में हुई थी, जो "**भारतीय सिनेमा के विकास और वृद्धि में उत्कृष्ट योगदान**" **के लिये दिया जाता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह पुरस्कार पहली बार "भारतीय सिनेमा की प्रथम महिला" **देविका रानी** को प्रदान किया गया था।
- इस पुरस्कार में एक स्वर्ण कमल, **10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक प्रमाण-पत्र**, एक रेशम रोल और एक शॉल शामिल है।
- इसे **भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिया जाता है।**

- **धुंडीराज गोविंद फाल्के:**
  - वह एक भारतीय निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक थे, जिन्होंने **भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र (1913) का निर्देशन किया था।**
    - उन्हें **"भारतीय सिनेमा के जनक" के रूप में जाना जाता है।**

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, **भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केंद्र (ISLRTC)** ने 23 सितंबर, 2025 को "सांकेतिक भाषा दिवस" मनाया।

- साथ ही शिक्षा मंत्रालय ने **केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (CIET)** और NCERT के सहयोग से 15 से 19 सितंबर, 2025 तक भारतीय सांकेतिक भाषा पर विशेष पाँच-दिवसीय लाइव कार्यक्रम भी आयोजित किया।

मुख्य बिंदु

- **दिवस के बारे में:**
  - संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बधिर लोगों के **मानवाधिकारों** को साकार करने में सांकेतिक भाषा के महत्त्व को रेखांकित करने के लिये 23 सितंबर को **अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस** के रूप में घोषित किया।
  - यह तिथि वर्ष 1951 में विश्व बधिर महासंघ (WFD) की स्थापना का प्रतीक है, जो विश्व स्तर पर बधिर व्यक्तियों के अधिकारों और उनकी मान्यता के लिये कार्य करता है।
  - **दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर अभिसमय**, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2006 में अपनाया था, सांकेतिक भाषाओं को बोली जाने वाली भाषाओं के बराबर मान्यता देता है तथा सदस्य देशों को बधिर समुदाय की भाषायी पहचान को बढ़ावा देने के लिये बाध्य करता है।
    - भारत वर्ष 2007 में इस अभिसमय का अनुसमर्थन करने वाले प्रथम देशों में से एक था।
  - **थीम 2025:** इस वर्ष की थीम "**सांकेतिक भाषा के अधिकारों के बिना मानवाधिकार नहीं**" है, जो बधिर व्यक्तियों के लिये गरिमा और सम्मान सुनिश्चित करने के साधन के रूप में सांकेतिक भाषा की मान्यता बढ़ाने का आह्वान करती है।
  - **8वीं राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता:** आयोजन के अंतर्गत **आठवीं राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता के विजेताओं** को सम्मानित किया गया। इसमें देश के विद्यालयों से 13 श्रेणियों में प्रतिभागियों ने भाग लिया और बधिर समुदाय की **रचनात्मकता तथा प्रतिभा** का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

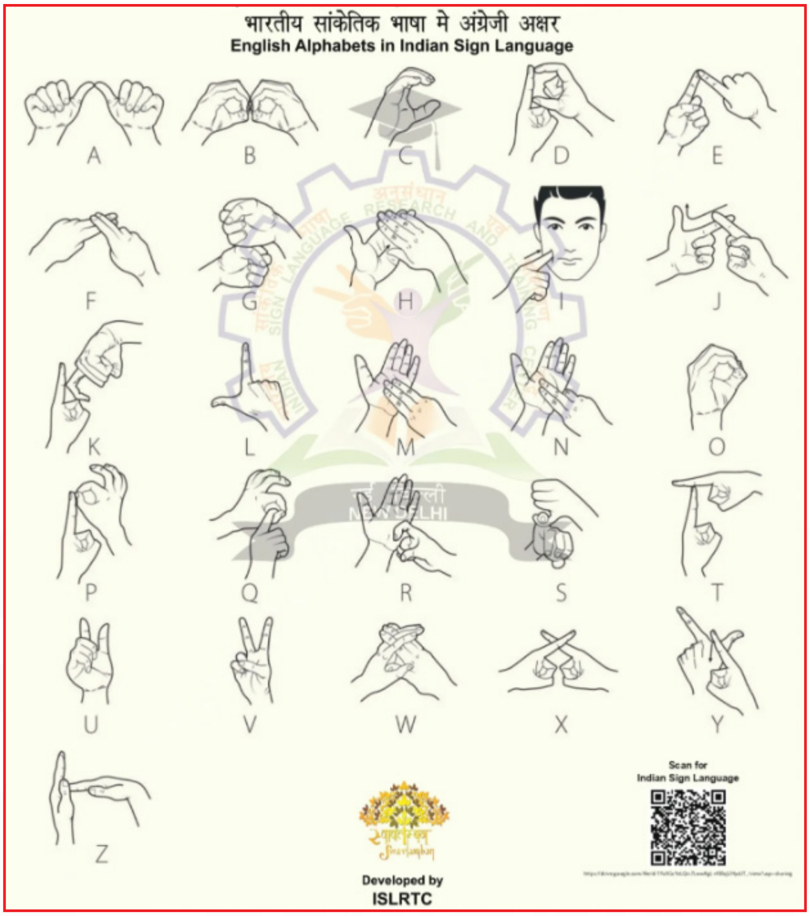

विश्व खाद्य भारत 2025

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री 25 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में विश्व खाद्य भारत के चौथे संस्करण का उद्घाटन करेंगे, जिसमें 90 से अधिक देश, 2,000 से अधिक प्रदर्शक और हज़ारों हितधारक भाग लेंगे।

मुख्य बिंदु

विश्व खाद्य भारत 2025 के बारे में

- **आयोजन:**
  - खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा **25 से 28 सितंबर 2025** तक आयोजित **विश्व खाद्य भारत 2025**, खाद्य प्रसंस्करण और आपूर्ति के लिये भारत की क्षमता को 'वैश्विक खाद्य केंद्र' के रूप में उजागर करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- भारत दूध, प्याज और दाल का सबसे बड़ा उत्पादक है तथा **चावल, गेहूँ, गन्ना, चाय, फल, सब्जियाँ एवं अंडे** का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
- पिछले दशक में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में **7.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का FDI इक्विटी निवेश आया है।

- **साझेदार एवं फोकस देश:**
    - **न्यूज़ीलैंड और सऊदी अरब** साझेदार देशों के रूप में भाग लेंगे, जबकि जापान, UAE, वियतनाम तथा रूस फोकस देशों के रूप में भाग लेंगे।
- **अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम:**
    - भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) **द्वारा तीसरा वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन:** वैश्विक नियामकों को खाद्य सुरक्षा मानकों के सामंजस्य पर विचार-विमर्श करने और अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग को मज़बूत करने के लिये एक विशिष्ट मंच प्रदान करना।
    - भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ (SEAI) **द्वारा 24वाँ भारत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री खाद्य शो (IISS):** भारत की बढ़ती समुद्री खाद्य निर्यात क्षमता और वैश्विक बाज़ार संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना।
- **मुख्य फोकस स्तंभ:**

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025

चर्चा में क्यों?

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 का उद्घाटन किया गया, जहाँ प्रधानमंत्री ने पैरा एथलीटों की बाधाओं को तोड़ने और नए मानदंड स्थापित करने के लिये सराहना की तथा भारत की **खेल-केंद्रित एवं समावेशी पहचान** को रेखांकित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह चैंपियनशिप 27 **सितंबर से 5 अक्तूबर 2025** तक आयोजित की जाएगी, जिसमें **104 देशों** के **2,200 एथलीट्स** भाग ले रहे हैं, जो भारतीय भूमि पर अब तक आयोजित **सबसे बड़ा पैरा एथलीट** आयोजन होगा।
- **भारत की उपलब्धि:** इस आयोजन में **भारत का अब तक का सबसे बड़ा 74** एथलीटों का दल भी शामिल होगा।
  - भारत पहली बार **विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप** की मेज़बानी करेगा, जो कतर, संयुक्त अरब अमीरात तथा जापान के बाद ऐसा करने वाला **चौथा एशियाई देश** होगा।
- **अवसंरचना:** यह आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में **नवनिर्मित मोंडो ट्रैक पर आयोजित किया जा रहा है,** जिसका उपयोग पहले पेरिस पैरालिंपिक 2024 में किया गया था और जिसे राष्ट्रीय खेल दिवस पर उद्घाटित किया गया।
  - **मुख्य प्रतियोगिता ट्रैक** के साथ-साथ, एक **मोंडो वार्म-अप ट्रैक** और एक **बहु-विशिष्ट जिम्नेजियम** का भी उद्घाटन किया गया, जो एक साथ 200 एथलीटों को प्रशिक्षित करने में सक्षम है तथा **विश्व स्तरीय खेल अवसंरचना** के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **पूर्व उपलब्धि:** भारत की पैरा खेलों में उल्लेखनीय प्रगति स्पष्ट है। भारत ने **जापान के कोबे** में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप,2024 में अब तक अपना **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन** किया, जिसमें **छह स्वर्ण, पाँच रजत और छह कांस्य सहित 17 पदकों** के साथ **छठा स्थान** प्राप्त किया।
- **महत्त्व:** यह आयोजन भारत की **दीर्घकालिक रणनीति** का हिस्सा है, जिसमें प्रमुख वैश्विक खेल आयोजनों की मेज़बानी शामिल है, जिसमें वर्ष **2030 में** राष्ट्रमंडल खेलों के लिये पहले से ही योजनाएँ चल रही हैं और वर्ष **2036 में ओलंपिक खेलों की** मेज़बानी करने की आकांक्षा है।

छठा नदी उत्सव

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री **सी.आर. पाटिल** ने छठे **नदी उत्सव** का उद्घाटन किया तथा नदियों के संरक्षण हेतु नागरिकों की सामूहिक **ज़िम्मेदारी** पर ज़ोर दिया।

- उन्होंने **नमामि गंगे परियोजना** के महत्त्व को रेखांकित किया, जो नदियों की **स्वच्छता बनाए रखने**, **अतिक्रमण रोकने** और **धार्मिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण पवित्र नदियों के संरक्षण** पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:** संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA)** द्वारा आयोजित नदी उत्सव में नदियों के महत्त्व को आवश्यक जीवनरेखा और **सांस्कृतिक जलाशय** के रूप में उजागर किया गया।
  - उत्सव में नदियों के **पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और कलात्मक** आयामों को उजागर किया गया, जिससे उनकी महत्ता को गहराई से समझने का अवसर मिला।
- **कार्यक्रम की अवधि:** यह कार्यक्रम 25 से 27 सितंबर 2025 तक **दिल्ली** में आयोजित किया गया, जिसमें **सेमिनार**, फिल्म स्क्रीनिंग और प्रदर्शनियाँ शामिल थीं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **रिवरस्केप डायनेमिक्स: परिवर्तन और निरंतरता** शीर्षक वाले सेमिनार में पारंपरिक नदी ज्ञान, **नदी देवताओं** तथा लोक कथाओं एवं नदियों की **कला, शिल्प व विज्ञान** में भूमिका पर चर्चा की गई।

- **मेरी नदी की कहानी:** इस उत्सव में नदियों से जुड़े **पर्यावरणीय मुद्दों और मानव संबंधों** पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री था फिल्में प्रदर्शित की गईं।
  - प्रदर्शित फिल्मों में गोताखोर: लुप्त होते **गोताखोर समुदाय, भारत का नदी पुरुष, अर्थ गंगा, मोलाई - जंगल के पीछे का आदमी, कावेरी - जीवन की नदी और लद्दाख -सिंधु** नदी के किनारे जीवन शामिल हैं।

भगत सिंह की जयंती

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रांतिकारी भगत सिंह को उनकी **जयंती** पर श्रद्धांजलि अर्पित की, उनके साहस को महान प्रेरणा का स्रोत बताते हुए सराहा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रमुख बिंदु

- **जन्म:** भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को बंगा, पंजाब, ब्रिटिश भारत (वर्तमान पाकिस्तान) में हुआ था। वह एक सिख परिवार से थे, जो उपनिवेश-विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे; उनके पिता, किशन सिंह और चाचा, अजीत सिंह, प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे।
- **प्रारंभिक जीवन:** 12 वर्ष की आयु में जलियाँवाला बाग हत्याकांड देखा, जिसने उनमें देशभक्ति की गहरी भावना और भारत की स्वतंत्रता के लिये संघर्ष करने का संकल्प उत्पन्न किया।
- **शिक्षा:** लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित नेशनल कॉलेज, लाहौर में दाखिला लिया, जिसने स्वदेशी आंदोलन पर ज़ोर दिया और क्रांतिकारी विचारों के लिये एक मंच प्रदान किया।
- **क्रांतिकारी संगठन:** भगत सिंह वर्ष 1924 में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के सदस्य बने, जिसे बाद में वर्ष 1928 में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) नाम दिया गया।
  - नौजवान भारत सभा की स्थापना भगत सिंह ने वर्ष 1926 में की थी, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के लिये युवाओं को संगठित करना था।
    - **प्रमुख कार्य:** पुलिस की बर्बरता के कारण लाला लाजपत राय की मृत्यु के प्रतिशोध के रूप में वर्ष 1928 में पुलिस अधिकारी जे.पी. सॉन्डर्स की हत्या (लाहौर षडयंत्र मामला) में शामिल हुए।
  - 18 अप्रैल, 1929 को बी.के. दत्त के साथ मिलकर दमनकारी ब्रिटिश कानूनों के विरोध में **केंद्रीय विधानसभा** में बम फेंका।
    - **गिरफ्तारी और मुकदमा:** वर्ष 1929 में बम कांड के लिये गिरफ्तार किये गए और बाद में लाहौर षडयंत्र मामले में हत्या का आरोप लगाया गया। उन पर मुकदमा चलाया गया, दोषी ठहराया गया और मृत्युदंड की सज़ा सुनाई गई।
  - 23 मार्च, 1931 को लाहौर में साथी क्रांतिकारी सुखदेव और राजगुरु के साथ फाँसी दी गई। भगत सिंह को स्नेहपूर्वक शाहिद-ए-आज़म के नाम से जाना जाता है।
    - **साहित्यिक योगदान:** उन्होंने महत्त्वपूर्ण रचनाएँ लिखीं, जिनमें **व्हाय आई एम एन एथीस्ट (मैं नास्तिक क्यों हूँ), द जेल नोटबुक एंड अदर राइटिंग्स** और समाजवाद व क्रांति की वकालत करने वाले कई राजनीतिक घोषणापत्र शामिल हैं।
  - अपने प्रारंभिक कार्य विश्व प्रेम (Universal Love) में सिंह ने समानता के महत्त्व की घोषणा की। उन्होंने एक ऐसे विश्व की कल्पना की, जो भुखमरी और युद्ध से मुक्त हो तथा जहाँ मानवता जाति तथा राष्ट्रीयता की सीमाओं से परे हो।
    - **विचारधारा:** उन्होंने **मार्क्सवादी** और समाजवादी **विचारधाराओं** का समर्थन किया, तर्कशीलता, समानता तथा न्याय पर जोर दिया। उन्होंने **संगठित धर्म की आलोचना** की और इसे मानसिक तथा शारीरिक दासता का रूप माना।
    - **विरासत:** उन्हें राष्ट्रीय नायक और शहीद के रूप में सम्मानित किया जाता है; उनके जन्मदिवस तथा फाँसी की तिथि प्रतिवर्ष भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद करने के लिये मनाई जाती है।
  - हर वर्ष 23 मार्च को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिये शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भारत ने एशिया कप जीता

चर्चा में क्यों ?

भारत ने दुबई में एशिया कप 2025 के फाइनल में **पाकिस्तान** को 5 विकेट से **हराकर** अपना **नौवां खिताब** जीता और टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ तीनों मैच जीतकर अजेय रहा।

प्रमुख बिंदु

- **एशिया कप रिकॉर्ड:**
  - **भारत:** 9 खिताब (किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक)
  - **श्रीलंका:** 6 खिताब
  - **पाकिस्तान:** 2 खिताब
- **प्लेयर ऑफ द मैच:** तिलक वर्मा
- **प्लेयर ऑफ द सीरीज:** अभिषेक शर्मा
- **एशिया कप फॉर्मेट:** यह ODI और T20I फॉर्मेट के बीच वैकल्पिक रूप से आयोजित होता है।
  - यह भारत का एशिया कप 2023 (ODI फॉर्मेट) जीतने के बाद **लगातार दूसरा खिताब** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

शिरीष चंद्र मुर्मू नियुक्त हुए RBI के डिप्टी गवर्नर

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के **नए डिप्टी गवर्नर** के रूप में नियुक्त किया है, जो 9 अक्तूबर, 2025 से प्रभावी होगा। वे **एम. राजेश्वर राव** का स्थान लेंगे।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:** शिरीष चंद्र मुर्मू, जो वर्तमान में RBI में कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, को **तीन वर्षों की अवधि** के लिये इस पद पर नियुक्त किया गया है।
  - वे वर्ष 1991 में RBI में शामिल हुए और क्षेत्रीय निदेशक जैसे महत्त्वपूर्ण पदों के साथ-साथ बैंकिंग विनियमन, मुद्रा प्रबंधन तथा सूचना प्रौद्योगिकी में वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर भी कार्य कर चुके हैं।
- **कार्य:** अपने नए पद पर वे **बैंकिंग विनियमन**, **वित्तीय बाज़ार** और मौद्रिक नीति सहित प्रमुख दायित्वों का निर्वहन करेंगे।
- **नियुक्ति:** उनकी नियुक्ति को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) द्वारा अनुमोदित किया गया था।
  - कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC), जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और जिसमें **गृह मंत्री** सदस्य होते हैं, वरिष्ठ सरकारी नियुक्तियाँ करने के लिये ज़िम्मेदार है।
- **संरचना:** RBI अधिनियम, 1934 के अनुसार, केंद्रीय बैंक में **चार डिप्टी गवर्नर** होने आवश्यक हैं: दो RBI के भीतर से, एक **वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र** से और एक अर्थशास्त्री जो मौद्रिक नीति विभाग का नेतृत्व करेगा।
  - वर्तमान डिप्टी गवर्नर में शिरीष चंद्र मुर्मू के अलावा टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. और पूनम गुप्ता शामिल हैं।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME